साप्ताहिक

आरएनआई नं. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्ष: 1 • अंक: 12 • कठुआ, शनिवार 16 अगस्त 2025 • पृष्ठ: 16 • मूल्य: 5 रुपए

एलजी सिन्हा ने कहा, आतंकवादी देश पाकिस्तान को भारतीयों पर हमला करने पर भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंद. ूर के जरिए पाकिस्तान की बर्बरता का बदला लिया है और अगर ष्आतंकवादी देशष ने भारतीय नागरिकों का खून बहाया तो उसे ष्बहुत भारी कीमतष चुकानी पड़ेगी।

सिन्हा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले बीएसएफ द्वारा आयोजित श्एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए पैदल यात्राश रैली में बोल रहे थे। उन्होंने रैली में भाग लेने वाले 79 साइकिल चालकों – 40 स्थानीय युवाओं और 39 बीएसएफ कर्मियों – को सम्मानित किया। इससे पहले, एलजी ने यहां डल झील से एक तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। वह झील से बॉटनिकल गार्डन तक यात्रा में शामिल हुए।

22 अप्रैल को पहलगाम में ष्पाकिस्तान प्रायोजितष आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए, सिन्हा ने कहा उन्होंने चेता. वनी दी, "अगर आतंकवादी देश पाकिस्तान हमारे नागरिकों का खून बहाता है, तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।" ऑपरेशन महादेव में शामिल सशस्त्र बलों और जम्मू कश्मीर पुलिस के बहादुर जवानों और अधिक. ारियों की सराहना करते हुए सिंह ने कहा, "उन्होंने पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का बदला लिया और राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की।" सिन्हा ने लोगों से शांति और सामाजिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश कर रहे विभाजनकारी तत्वों के खिलाफ सतर्क और चौकस रहने का भी आग्रह किया। 22 अप्रैल के पहलगाम हमले में शामिल लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के तीन वरिष्ठ कमांडर 28 जुलाई को श्रीनगर के बाहरी इलाके में श्ऑपरेशन महाद. ेवश नामक मुठभेड़ में मारे गए। पहलगाम के बैसरन घास के मैदान में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। हमले का बदला लेने के लिए, भारत ने मई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी

■ शेष पेज 2...

सभी पाठकों को सबका जम्मू कश्मीर की ओर से जनमाष्टमी और स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संसद ने नया आयकर विधेयक पारित किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : संसद ने मंगलवार को नया आयकर विधेयक पारित कर दिया, जबकि राज्यसभा ने इसे लोकसभा को वापस भेज दिया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो धन विधेयक – आयकर विधेयक, 2025 और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 – पेश किए।

राज्यसभा ने ध्वनिमत से विधेयक को निचले सदन को वापस भेज दिया। आयकर विधेयक, आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा।

नए आयकर कानून को लाने के कारणों की व्याख्या करते हुए, सीतारमण ने कहा कि आयकर

■ शेष पेज 2...

अब्दुल रहीम राथर ने श्रीनगर विधानमंडल छात्रावास का औचक निरीक्षण किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज श्रीनगर स्थित विधानमंडल छात्रावास का औचक निरीक्षण किया और विधायकों की सुविधा के लिए छात्रावास में चल रहे सभी विकास और उन्नयन कार्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया।

इस दौरान विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडिता, विभिन्न विंगों के कार्यकारी अभियंता, विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी अध्यक्ष के साथ थे।

निरीक्षण के दौरान, अध्यक्ष ने छात्रावास के नए ब्लॉक के विभिन्न खंडों का दौरा किया और नागरिक कार्यों, बुनियादी ढाँचे में सुधार और अन्य सुविधाओं की गति और गुणवत्ता का आकलन किया। उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को कार्यकुशलता के उच्च मानक बनाए रखने और निर्धारित समय–सीमा का कड़ाई

■ शेष पेज 2...

कठुआ में अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, विकास परियोजनाओं की दिशा बैठक में डॉ. जितेंद्र सिंह की समीक्षा

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जिला कठुआ में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए।

जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों की दिशा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि अवैध खनन से कीरियां–गडियाल पुल और एक्सप्रेसवे कॉरिडोर जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के प्रोजेक्ट्स की नींव को खतरा है। ये राष्ट्रीय महत्व के बहुमूल्य और ऐतिहा. सिक प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप और संरक्षण से संभव हुए हैं। ऐसे में यदि कुछ स्वार्थी तत्वों और व्यक्तिगत व्यावसायिक हितों के कारण ये परियोजनाएं नष्ट होती हैं, तो यह शर्मनाक होगा।

केंद्रीय मंत्री ने एसएसपी और जिला खनन अधिकारी को अवैध खनन के मामलों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूछा कि अवैध खनन पर लगने वाला जुर्माना, जिसकी सीमा 50,000 रुपये है, उसे घटाकर मामूली रकम क्यों कर दिया गया, जिससे अवैध खनन करने वालों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध खनन में शामिल कोई भी व्यक्ति, चाहे वह राजनी. तिक पद पर हो या उच्च पदाधिकारी, बख्शा नहीं जाएगा और कानून के तहत कार्रवाई के साथ सार्वजनिक रूप से

■ शेष पेज 2...

हाई एल्टीट्यूड झील पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना के साथ कोंसर नाग यात्रा संपन्न

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : कश्मीर शैव और हिंदू धर्म में पवित्र मानी जाने वाली 11,500 फीट ऊंची कोंसर नाग झील की चार दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं का एक समूह जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में आधार शि. विर लौट आया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रियासी से गोरवन और कौसर गली तक का तीर्थयात्रा मार्ग रियासी जिले के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि कौसर गली से पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में ओलिगोट्रोफिक झील तक का मार्ग कुलगाम जिले के अंतर्गत आता है।

इस यात्रा को विधायक रियासी कुलदीप राज दुबे और उपायुक्त रियासी निधि मलिक ने 7 अगस्त को गहन धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक उत्साह के माहौल में शिव मंदिर, रियासी से संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, ष्अप्रत्याशित हिमालयी मौसम और चुनौतीपूर्ण भूभाग के बावजूद, यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से पूरी हुई। सुरक्षा बलों, प्रशासनिक टीमों और समर्पित स्वयंसेवकों

■ शेष पेज 2...

स्मार्ट बाड़ प्रणाली, रोबोटिक खच्चर, सभी इलाकों में चलने वाले वाहन जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सीमा सुरक्षा को बढ़ा रहे हैं

सबका जम्मू कश्मीर

सुंदरबनी : एआई–संचालित तकनीक में तेज़ी से हो रही प्रगति से प्रेरित बदलते सुरक्षा परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाते हुए, सेना ने जम्मू–कश्मीर के राजौरी ज़िले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए स्मार्ट बाड़ प्रणाली, रोबोटिक खच्चर और सभी इलाकों में चलने वाले वाहनों जैसे

अत्याधुनिक उपकरणों की शुरुआत की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

क्वाडकॉप्टर, उन्नत निगरानी उपकरण, बुलेटप्रूफ वाहन, आधुनिक हथियार और नाइट–विज़न साइट सहित नए पेश किए गए इन सभी उपकरणों का 7 मई से 10 मई के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढाँचे पर मिसाइल

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

एलजी सिन्हा ने...

बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। उपराज्यपाल ने देश की प्रथम रक्षा पंक्ति, बीएसएफ को उन बहादुर सैनिकों और अधिकारियों को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए बधाई दी, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अदम्य वीरता, साहस और बलिदान का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि यह रैली युवाओं को बीएसएफ, सेना और पुलिस में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, ष्कई कस्बों और गाँवों से गुज़रती इस रैली ने युवा पीढ़ी को प्रेरित किया और उन्हें हमारे संस्थापक पिताओं के दृष्टिकोण और निस्वार्थ सेवा के उनके आदर्शों की याद दिलाई। जम्मू–कश्मीर के प्रत्येक नागरिक का यह परम कर्तव्य है कि वह उस मार्ग पर चले और अपने सपनों का जम्मू–कश्मीर बनाए।ष सिन्हा ने कहा, ष कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है। 140 करोड़ भारतीयों के दिल और आत्मा एक हैं और हम 140 करोड़ सदस्यों का एक बड़ा परिवार हैं।ष

संसद ने नया ...

अधिनियम, 1961 के कुछ हिस्से पुराने हो गए हैं और इसलिए एक नए कानून की आवश्यकता थी।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नए आयकर कानून का उद्देश्य भाषा को सरल बनाना है और इसमें कोई नई दर नहीं जोड़ी गई है। सीतारमण ने आयकर कानून जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लेने के लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, ष्मुझे आश्चर्य है कि विपक्ष इसमें भाग नहीं लेना चाहता।ष

विपक्षी दलों ने सोमवार को लोकसभा की तरह ही राज्यसभा में भी वॉकआउट किया।

उन्होंने बताया कि विपक्षी दलों ने कार्य मंत्रणा समिति में आयकर विधेयक पर लोकसभा और राज्यसभा में 16–16 घंटे की बहस पर सहमति जताई थी।

उन्होंने संसद की प्रवर समिति का भी आभार व्यक्त किया, जिसने विधेयक की समीक्षा की।

उन्होंने आगे कहा कि विधेयक का मसौदा तैयार करने में कुल 75,000 घंटे लगे हैं।

कठुआ में अवैध...

नाम उजागर किया जाएगा।

डॉ. सिंह ने नशे की बढ़ती समस्या पर भी चिंता जताई और जिला प्रशासन, पुलिस, जनप्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्यों की संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया, ताकि नशा मुक्ति के प्रयास विभिन्न स्तरों पर हो सकें।

उन्होंने कहा कि लगभग 100 साल पहले 1920 के दशक में तत्कालीन महाराजा द्वारा परिकल्पित उझ बहुउद्देश्यीय परियोजना को अब पुनर्जी. वित किया गया है।

इस परियोजना के लिए जम्मू–कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों की संयुक्त कार्यसमूह का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने भी परियोजना को आगे बढ़ाने में रुचि दिखाई है, ताकि उझ नदी के रास्ते होने वाली घुसपैठ पर रोक लगाई जा सके। परियोजना पूरी होने पर लगभग 90,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई मिलेगी और अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान में जाने से रोकने के लिए जम्मू–कश्मीर, पंजाब और केंद्र सरकार मिलकर वैकल्पिक योजना बना रही हैं।

उन्होंने बताया कि शाहपुर कंडी परियोजना का अंतिम चरण 15 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद पानी बिजली उत्पादन के लिए बहना शुरू हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बरौड़ी स्थित इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्क जो देश का 11वां और उत्तर भारत का पहला ऐसा पार्क है, कुछ ही हफ्तों में चालू हो जाएगा।

इससे युवाओं को बायो–मैन्युफैक्चरिंग और अस्पताल उपकरण निर्माण के क्षेत्र में रोजगार, उत्पादन और व्यापार के अवसर मिलेंगे।

सरकारी मेडिकल कॉलेज कठुआ में वर्तमान में कैंसर के डे–केयर इलाज की सुविधा है, जिसे जल्द ही रेडिएशन ट्रीटमेंट सुविधा से अपग्रेड किया जाएगा, जिसमें टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के विशेषज्ञ सहयोग करेंगे।

उन्होंने बताया कि बाला सुंदरी टनल और सड़क मार्ग की वर्षों पुरानी मांग भी पूरी होगी। सरकार ने लखनपुर से डोडा तक छतरा गला टनल मार्ग से सड़क परियोजना शुरू की है, जिसमें यह रूट भी शामिल होगा। इसके पूरा होने पर कठुआ से बिलावर की दूरी घटकर केवल 30–40 मिनट रह जाएगी।

डॉ. सिंह ने कहा कि कठुआ पहला जिला है जिसने सीमा गांवों में फैमिली बंकर सिस्टम शुरू किया है, जिसके तहत करीब 2,000 बंकर बनाए गए हैं। अब 1,048 और बंकरों का प्रस्ताव है, जिससे कुल संख्या लगभग 3,000 हो जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर भारत का पहला होम्योपैथी कॉलेज कठुआ में स्वीकृत हुआ है।

जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू होगा और इससे पंजाब व हिमाचल प्रदेश के मरीजों को भी लाभ मिलेगा।

बैठक में च्डळैल, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम आवास योजना, समग्र शिक्षा, पीएम स्वनिधि, पीएम मुद्रा योजना, मनरेगा, आयुष्मान भारत, बागवानी, पशुपालन और ट्यूबवेल परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई।

बैठक में जसरोता विधायक राजीव जसरोटिया, कठुआ विधायक डॉ भारत भूषण, हीरानगर विधायक एडवोकेट विजय शर्मा व जिले के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

हाई एल्टीट्यूड झील...

की संयुक्त प्रतिबद्धता ने यह सुनिश्चित किया कि यात्रियों को न केवल आध्यात्मिक संतुष्टि मिले, बल्कि एक आरामदायक और सुरक्षित तीर्थयात्रा भी मिले।

उन्होंने बताया कि पहले दिन तीर्थयात्री सड़क मार्ग से 99 किलोमीटर की यात्रा करके सुंगरी शिविर पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया, फिर सड़क मार्ग से 26 किलोमीटर की दूरी तय कर सरसोटे शिविर पहुंचे और फिर अगले दिन 11 किलोमीटर पैदल चलकर सारी शिविर पहुंचे।

प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे दिन यात्री सारी कैंप से पवित्र कौन्सर नाग झील के लिए 17 किलोमीटर की यात्रा पर निकले और पवित्र स्थल पर प्रार्थना की, उसके बाद रात्रि विश्राम के लिए सारी कैंप तक पैदल वापस लौटे।

प्रवक्ता ने बताया कि सरसोटे शिविर के लिए वापसी यात्रा चौथे दिन शुरू हुई, जिसके बाद रियासी तक सड़क मार्ग से यात्रा की गई, जिससे चार दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा पूरी हुई।

प्रवक्ता ने बताया कि जिले भर से आए तीर्थयात्रियों ने त्रुटिरहित व्यवस्था, मजबूत सुरक्षा उपायों और यात्रा के दौरान उन्हें दिए गए गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष की यात्रा असाधारण टीमवर्क और समन्वय का प्रमाण है, जिसमें नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, सीआरपीएफ, ग्राम रक्षा गार्ड और एसडीआरएफ का उल्लेखनीय योगदान रहा।

स्मार्ट बाड़ प्रणाली...

हमले किए थे और दुश्मन की जवाबी कार्रवाई का सफलतापूर्वक जवाब दिया था।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुंदरबनी के सुदूर इलाकों में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना के अटूट साहस और समर्पण को देखने के लिए आने वाले मीडियाकर्मियों को एक दुर्लभ अवसर प्रदान करते हुए, सेना ने त्रि–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है और इस अवसर के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सीमा पर गश्त और सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों ने बताया

कि आर्माडो और सभी इलाकों में काम करने वाले वाहनों जैसे उन्नत सैन्य वाहनों के शामिल होने से सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को घने जंगलों वाले सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊबड़–खाबड़ इलाकों में तेज़ी से कार्रवाई करने और किसी भी खतरे, खासकर घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों से, को बेअसर करने में मदद मिली है।

एक अभ्यास के दौरान, सैनिकों ने वाहनों की गति, सुरक्षा और अनुक. ूलन क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, किसी क्षेत्र की घेराबंदी करके आतंकवादियों से निपटने का प्रदर्शन किया।

महिंद्रा आर्मर्ड लाइट स्पेशलिस्ट व्हीकल या आर्मडो एक हल्का और हवा में ले जाने योग्य बख्तरबंद वाहन है जिसे सेना और विशेष बलों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि स्वदेशी रूप से विकसित ष्रोबोटिक म्यूलष युद्ध के मैदान में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ष्मेक इन इंडियाष पहल के तहत एयरोआर्क द्वारा डिज़ाइन किया गया डन्स्म (मल्टी–यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट) एक चौपाया रोबोट है जो बर्फ, रेगिस्तान, पानी और अन्य चुनौतीपूर्ण इलाक. ों में भी निर्धारित कार्य को पूरा करने में सक्षम है।

एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, इन रोबोटिक खच्चरों ने निगरानी और रसद में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि उन्नत संसरों से लैस, ये खच्चर रसद पहुँचा सकते हैं, विस्फोटकों का पता लगा सकते हैं और टोही का काम कर सकते हैं। इसका मॉड्यूलर डिज़ाइन विभिन्न युद्धक्षेत्र भूमिकाओं के लिए अनुकूलन की अनुमति देता है और यह झुंड में भी काम कर सकता है, जिससे एक ष्मिनी रोबोट सेनाष बनती है जो सैनिकों के लिए जोखिम कम करते हुए परिचालन दक्षता बढ़ाती है।

अधिकारी ने कहा कि सेना निगरानी, टोही और संभावित हमले अभियानों के लिए ड्रोन को सैन्य अभियानों में तेज़ी से शामिल कर रही है।

उन्होंने कहा कि इनमें से, मिनी मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) और निगरानी ड्रोन संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरे हैं।

मिनी यूएवी के अलावा, सेना अन्य उन्नत निगरानी ड्रोनों का भी इस्तेमाल करती है जो न केवल निगरानी करने में सक्षम हैं, बल्कि लक्ष्यों पर निशाना भी साध सकते हैं।

अधिकारी ने बताया कि सटीक निशाना लगाने वाले तंत्रों से लैस ये ड्रोन, सैनिकों को नुकसान पहुँचाए बिना, दुश्मन के ठिकानों पर ग्रेनेड और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला कर सकते हैं।

भारतीय सेना का बैटल ऑब्स्टेकल कोर्स (बीओसी) धीरज, शक्ति और युद्ध की तैयारी की एक कठिन परीक्षा है। यह वास्तविक युद्धक्षेत्र की परिस्थितियों का अनुकरण करता है, जिसमें भू–भाग की चुनौतियाँ, जंगल में ऑपरेशन और बंकर–तोड़ अभ्यास शामिल हैं।

अभ्यास के एक भाग के रूप में, एक पैदल सेना इकाई ने दिखाया कि कैसे दुर्गम इलाकों से गुजरते हुए, सुरक्षा में सेंध लगाकर और खतरों को बेअसर करते हुए दुश्मन के बंकरों पर कब्ज़ा किया जाता है।

अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीओसी) न केवल सैनिकों की शारीरिक क्षमताओं को निखारता है, बल्कि समन्वय, गति और साम. रिक कौशल को भी निखारता है, जो युद्ध में बेहद ज़रूरी हैं।

उन्होंने बताया कि सेना ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में खलल डालने की आतंकवादियों की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए नियंत्रण रेखा पर गश्त तेज़ कर दी है और त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की है।

दुश्मन की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखने के लिए नियमित गश्त के अलावा, सेना दुश्मन की हर गतिविधि पर नज़र रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है, जबकि अतिरिक्त सुरक्षा के लिए डॉग स्क्वॉड और डिटेक्टर तैनात किए जा रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, जिसके दौरान सेना ने नियंत्रण रेखा के पार कई आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया था।

एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि सीमा की रक्षा करने वाले सैनिक कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं और दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ भाव से देश की रक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा, ष्यह स्पष्ट हो गया है कि अपनी वर्दी से परे, प्रत्येक सैनिक में मातृभूमि की रक्षा करने के प्रति कर्तव्य और गर्व की गहरी भावना है।ष

लुभावने लेकिन कठोर परिदृश्यों के बीच, उन्होंने कहा कि सैनिक अदम्य भावना का प्रदर्शन करते हैं क्योंकि वे अटूट प्रतिबद्धता और आश्वस्त मुस्कान के साथ प्रतिकूलताओं का सामना करते हैं।

"अत्यधिक मौसम की स्थिति, अलगाव और सतर्कता की निरंतर मांग के बावजूद, ये सैनिक उल्लेखनीय लचीलापन दर्शाते हैं। अपने कर्तव्यों के अलावा, सैनिक कठोर प्रशिक्षण मानकों को बनाए रखते हैं, जो किसी भी चुनौती के लिए तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित करता है, "उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि निरंतर विकास, परिवर्तन और एकीकरण की यह प्रतिबद्धता भारतीय सेना की सर्वोच्च परिचालन तत्परता बनाए रखने के समर्पण का उदाहरण है।

प्रवक्ता ने कहा कि नागरिकों तक सेना की पहुंच भी उतनी ही उल्लेखनीय है, क्योंकि यह स्थानीय समुदायों के साथ सेतु बनाने का काम करती है, यह सुनिश्चित करती है कि शांति और विकास सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुँचे।

अब्दुल रहीम राथर....

से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सार्वजनिक संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए और कार्यों को इस तरह से निष्पादित किया जाना चाहिए जिससे गुणवत्ता और स्थायित्व दोनों झलकें।

अध्यक्ष ने संबंधित कार्यकारी नई दिल्ली को हाल ही में आग लगने की घटना में क्षतिग्रस्त हुए कमरों का तत्काल नवीनीकरण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 2014 की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई परिसर की दीवार के निर्माण में लापरवाही बरतने का भी कड़ा संज्ञान लिया।

बाद में, अध्यक्ष ने विधानमंडल छात्रावास के कामकाज की समीक्षा के लिए एक संक्षिप्त बैठक की भी अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान बोलते हुए, अध्यक्ष ने छात्रावास के प्रबंधन को विधायकों की समकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छात्रावास में उचित रखरखाव, नियमित रखरखाव और आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा, ष्विधायक लोकतंत्र और जनता का चेहरा हैं और उन्हें सम्मान के साथ आवश्यक सुविधाओं की आवश्यकता है, जिसके वे हकदार हैं।ष

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि छात्रावास के कामकाज में सुधार से न केवल विधायकों को लाभ होगा, बल्कि वे जिस संस्थान में सेवा करते हैं उसकी गरिमा भी बनी रहेगी।

इस बीच, बैठक के दौरान, अध्यक्ष ने विधानमंडल छात्रावास के कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दों का भी जायजा लिया। उन्होंने विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों को पात्र कर्मचारियों के डीपीसी बैठकों के समय पर संचालन के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से छात्रावास में उचित अनुशासन बनाए रखने और कर्मचारियों के लिए उचित वर्दी कोड सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया।

79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र के नाम संबोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। मेरे प्यारे साथी नागरिकों, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस, हर भारतीय पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाता है। ये वो दिन हैं जो हमें विशेष रूप से हमारे गौरवान्वित भारतीय होने की याद दिलाते हैं।

पंद्रह अगस्त हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित है। औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों के दौरान, भारतीयों की कई पीढ़ियों ने स्वतंत्रता दिवस का सपना देखा था। देश के सभी हिस्सों के पुरुष और महिलाएं, बूढ़े और जवान, विदेशी शासन के बंधन को तोड़ फेंकने के लिए तरस रहे थे। उनका संघर्ष प्रबल आशावाद से भरा था, जिसने स्वतंत्रता के बाद भी हमारी प्रगति को गति दी है। कल जब हम तिरंगे को सलामी देंगे, तो हम उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे जिनके बलिदान से 78 वर्ष पहले 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता मिली थी।

अपनी आज़ादी हासिल करने के बाद, हम सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वाला एक लोकतंत्र भी बन गए। दूसरे शब्दों में, हम भारत के लोगों ने अपने भाग्य को आकार देने की शक्ति हममें से प्रत्येक के हाथों में सौंप दी है, बिना किसी लिंग, धर्म और अन्य कारकों के बंधनों के, जिन्होंने अन्य लोकतंत्रों में कई लोगों को मतदान करने से रोका था। अनेक चुनौतियों के बावजूद, भारत के लोगों ने लोकतंत्र में सफलतापूर्वक परिवर्तन किया। यह परिवर्तन हमारे प्राचीन लोकतांत्रिक लोकाचार का स्वाभाविक प्रतिबिंब था। भारत में दुनिया के सबसे प्राचीन गणराज्य थे। इसे लोकतंत्र की जननी के रूप में सही मायने में स्वीकार किया जाता है। जब हमने संविधान को अपनाया, तो इसने लोकतंत्र की नींव रखी। हमने लोकतांत्रिक संस्थाओं का निर्माण किया जिन्होंने लोकतंत्र के व्यवहार को मजबूत किया। हम अपने संविधान और अपने लोकतंत्र को सबसे ऊपर रखते हैं।

अतीत पर नज़र डालते हुए, हमें देश के विभाजन से मिले दर्द को नहीं भूलना चाहिए। आज हमने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया। विभाजन के कारण भयंकर हिंसा हुई और लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। आज हम इतिहास की मूर्खतापूर्ण घटनाओं के शिकार लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

प्रिय साथी नागरिकों,

हमारे संविधान में चार मूल्य हमारे लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने वाले चार स्तंभों के रूप में समाहित हैं। ये हैं – न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व। ये हमारे सभ्यतागत सिद्धांत हैं जिन्हें हमने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पुनः खोजा। मेरा मानना है कि इन सबके मूल में मानवीय गरिमा की भावना है। हर इंसान समान है, और सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। सभी को स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक समान पहुँच होनी चाहिए। सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। जो लोग पारंपरिक रूप से वंचित रहे हैं, उन्हें मदद की ज़रूरत है।

इन्हीं सिद्धांतों को सर्वोपरि रखते हुए, हमने 1947 में एक नई यात्रा शुरू की। कई वर्षों के विदेशी शासन के बाद, आज़ादी के समय भारत घोर गरीबी में था। लेकिन उसके बाद के 78 वर्षों में, हमने सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है। भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर है और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

आर्थिक क्षेत्र में, हमारी उपलब्धियाँ और भी ज़्यादा उल्लेखनीय हैं। पिछले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ, भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज़ी से बढ़ रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तनाव के बावजूद, घरेलू माँग तेज़ी से बढ़ रही है। मुद्रास्फीति नियंत्रण में रही है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकतक अर्थव्यवस्था को बेहतर स्थिति में दिखा रहे हैं। यह हमारे श्रमिकों और किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ–साथ सावधानीपूर्वक किए गए सुधारों और कुशल आर्थिक प्रबंधन का भी परिणाम है।

सुशासन के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। सरकार गरीबों के लिए और उन लोगों के लिए भी कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला चला रही है जो गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं, लेकिन अभी भी असुरक्षित हैं, ताकि वे फिर से गरीबी रेखा से नीचे न गिरें। यह सामाजिक सेवाओं पर बढ़ते खर्च में परिलक्षित होता है। आय असमानता कम हो रही है। क्षेत्रीय असमानताएँ भी समाप्त हो रही हैं। राज्य और क्षेत्र, जो पहले कमज़ोर आर्थिक प्रदर्शन के लिए जाने जाते थे, अब अपनी वास्तविक क्षमता दिखा रहे हैं और अग्रणी देशों के साथ कदमताल मिला रहे हैं।

हमारे व्यापारिक नेताओं, लघु एवं मध्यम उद्योगों और व्यापारियों ने हमेशा से ही कुछ कर गुजरने की भावना का परिचय दिया है; आवश्यकता धन सृजन की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने की थी। पिछले एक दशक में बुनियादी ढाँचे के विकास के मामले में

यह बात साफ़ दिखाई देती है। हमने भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया है। रेलवे ने भी नवाचार किया है और नवीनतम तकनीकों से लैस नई प्रकार की रेलगाड़ियाँ और कोच शुरू किए हैं। कश्मीर घाटी में रेल संपर्क का उद्घाटन एक बड़ी उपलब्धि है। घाटी के साथ रेल संपर्क से क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। कश्मीर में इंजीनियरिंग का यह चमत्कार हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

देश तेज़ी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। इसलिए, सरकार शहरों की स्थिति सुधारने पर विशेष ध्यान दे रही है। शहरी परिवहन के प्रमुख क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने मेट्रो रेल सुविधाओं का विस्तार किया है। एक दशक में मेट्रो रेल सेवा वाले शहरों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन, या अमृत, ने यह सुनिश्चित किया है कि ज़्यादा से ज़्यादा घरों तक नल से पानी की सुनिश्चित आपूर्ति और सीवरेज कनेक्शन की सुविधा पहुँचे।

सरकार जीवन की बुनियादी सुविधाओं को नागरिकों का अधिकार मानती है। जल जीवन मिशन ग्रामीण घरों में नल से जल आपूर्ति उपलब्ध कराने की दिशा में प्रगति कर रहा है।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, हम दुनिया में अपनी तरह की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना, आयुष्मान भारत के तहत विभिन्न पहलों के साथ एक क्रांतिकारी बदलाव देख रहे हैं। इस योजना ने अब तक 55 करोड़ से ज़्यादा लोगों को कवर प्रदान किया है। सरकार ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, उनकी आय की परवाह किए बिना, यह लाभ प्रदान किया है। जैसे–जैसे पहुँच में असमानताएँ दूर होती हैं, गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को भी सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलता है।

इस डिजिटल युग में, यह स्वाभाविक है कि भारत में सूचना प्रौद्योगिकी ने सबसे ज़्यादा प्रगति की है। लगभग सभी गाँवों में 4ळ मोबाइल कनेक्टिविटी है, और शेष कुछ हज़ार गाँवों को भी जल्द ही इसमें शामिल कर लिया जाएगा। इसने डिजिटल भुगतान तकनीकों को बड़े पैमाने पर अपनाना संभव बनाया है, जिसमें भारत बहुत कम समय में विश्व में अग्रणी बन गया है। इसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कल्याणकारी लाभ बिना किसी रुकावट और लीकेज के लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचें। दुनिया के कुल डिजिटल लेन–देन में से आधे से ज़्यादा भारत में होते हैं। इन विकासों ने एक जीवंत डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण किया है जिसका देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान साल–दर–साल बढ़ रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकी प्रगति का अगला चरण है और हमारे जीवन में पहले ही प्रवेश कर चुकी है। सरकार ने देश की कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए भारत–एआई मिशन शुरू किया है। यह भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल बनाने में भी मदद कर रही है। 2047 तक वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की हमारी आकांक्षा के अनुरूप, हमारा ध्यान आम लोगों के लिए तकनीकी प्रगति का सर्वोत्तम उपयोग करने और शासन में सुधार लाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने पर रहेगा।

आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस के साथ–साथ ईज़ ऑफ लिविंग पर भी समान रूप से ज़ोर दिया जा रहा है। विकास तभी सार्थक होता है जब वह हाशिये पर पड़े लोगों की मदद करे और उनके लिए नए अवसर खोले। इसके अलावा, हम हर संभव क्षेत्र में अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ा रहे हैं। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और विकसित भारत बनने की हमारी यात्रा को गति मिली है।

पिछले सप्ताह, 7 अगस्त को, देश ने श्राष्ट्रीय हथकरघा दिवसश मनाया, जो हमारे बुनकरों और उनके उत्पादों के सम्मान में मनाया जाता है। वर्ष 2015 से, हम 1905 में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शुरू किए गए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में यह दिवस मनाते आ रहे हैं। महात्मा गांधी ने भारतीय कारीगरों और शिल्पकारों के परिश्रम और उनके अतुलनीय कौशल से निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी की भावना को और मज़बूत किया था। स्वदेशी का विचार मेक–इन–इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे हमारे राष्ट्रीय प्रयासों को प्रेरित करता रहा है। आइए, हम सब मिलकर भारतीय उत्पादों को खरीदने और उनका उपयोग करने का संकल्प लें।

प्रिय साथी नागरिकों,

सामाजिक क्षेत्र की पहलों से पूरित सर्वांगीण आर्थिक विकास ने भारत को 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। अमृत काल में राष्ट्र के आगे बढ़ने के साथ, मैं चाहता हूँ कि हम सभी अपनी क्षमतानुसार योगदान दें। मेरा मानना है कि समाज के तीन वर्ग हमें इस मार्ग पर आगे बढ़ाएँगे – युवा, महिलाएँ और वे समुदाय जो लंबे समय से हाशिये पर रहे हैं।

हमारे युवाओं को आखिरकार अपने सपनों को साकार करने के लिए सही माहौल मिल गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने दूरगामी बदलाव लाए हैं, शिक्षा को मूल्यों से और कौशल को परंपरा से जोड़ा है। रोज़गार के अवसर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। उद्यमशीलता की आकांक्षा रखने वालों के लिए, सरकार ने सबसे अनुकूल माहौल बनाया है। युवा प्रतिभाओं से प्रेरित होकर, हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम ने अभूतपूर्व विस्तार देखा है। मुझे विश्वास है कि शुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक की अंतरिक्ष यात्रा ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। यह भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, श्गगनयानश के लिए बेहद मददगार साबित होगा। नए आत्मविश्वास से लबरेज हमारे युवा खेलों में अपनी पहचान बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, शतरंज में अब भारत के युवाओं का दबदबा पहले से कहीं ज़्यादा है। हम ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों की आशा करते हैं जो राष्ट्रीय खेल नीति 2025 में निहित दृष्टिकोण के तहत भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

हमारी बेटियाँ हमारा गौरव हैं। वे रक्षा और सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में बाधाओं को पार कर रही हैं। खेल उत्कृष्टता, सशक्तिकरण और क्षमता के महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक हैं। भारत की एक उन्नीस वर्षीय लड़की और एक अड़तीस वर्षीय महिला थ्श्क महिला विश्व कप शतरंज चौंपियनशिप के फाइनलिस्ट थीं। यह हमारी महिलाओं में पीढ़ी दर पीढ़ी निरंतर और विश्व स्तर पर तुलनीय उत्कृष्टता को रेखांकित करता है। रोज़गार में लैंगिक अंतर भी कम हो रहा है। श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश के साथ, महिला सशक्तिकरण अब एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है।

हमारे समाज के एक बड़े वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अन्य समुदायों के लोग, हाशिए पर पड़े होने का ठप्पा हटा रहे हैं। सरकार कई पहलों के माध्यम से उनकी सामाजिक और आर्थिक आकांक्षाओं को साकार करने में सक्रिय रूप से मदद कर रही है।

भारत अपनी वास्तविक क्षमता को साकार करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हमारे सुधारों और नीतियों ने एक प्रभावी मंच तैयार किया है, और मैं एक उज्ज्वल भविष्य देख रहा हूँ जिसमें हम सभी, सभी की समृद्धि और खुशहाली में ऊर्जावान रूप से योगदान देंगे।

हम निरंतर सुशासन और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता के साथ उस भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यहाँ मुझे महात्मा गांधी का एक महत्वपूर्ण कथन याद आ रहा है। उन्होंने कहा था, और मैं उसे उद्धृत करता हूँरू

"भ्रष्टाचार और पाखंड लोकतंत्र के अपरिहार्य उत्पाद नहीं होने चाहिए।"

आइए हम गांधीजी के आदर्श को साकार करने और भ्रष्टाचार को खत्म करने का संकल्प लें।

प्रिय साथी नागरिकों,

इस वर्ष हमें आतंकवाद के अभिशाप का सामना करना पड़ा। कश्मीर में छुट्टियाँ मना रहे निर्दोष नागरिकों की हत्या कायरतापूर्ण और घोर अमानवीय थी। भारत ने निर्णायक और दृढ़ संकल्प के साथ इसका जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि हमारे सशस्त्र बल राष्ट्र की रक्षा के लिए किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। रणनीतिक स्पष्टता और तकनीकी क्षमता के साथ, उन्होंने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। मेरा मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में एक मिसाल के रूप में इतिहास में दर्ज होगा।

हमारी प्रतिक्रिया में, सबसे ज़्यादा ध्यान देने योग्य बात हमारी एकता थी, जो हमें विभाजित करने की चाह रखने वालों के लिए सबसे करारा जवाब भी है।

हमारी एकता सांसदों के बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में भी दिखाई दी, जिन्होंने विभिन्न देशों से मिलकर भारत की स्थिति स्पष्ट की। दुनिया ने भारत के इस रुख़ पर ध्यान दिया है कि हम आक्रामक नहीं होंगे, लेकिन अपने नागरिकों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकिचाएँगे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

उपराज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को बधाई दी

एजेंसी

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जम्मू–कश्मीर के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं। अपने संदेश में, उपराज्यपाल ने लिखारू

"जम्मू कश्मीर के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

हमारे 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। यह वह दिन है जब हम अपने तिरंगे को सलाम करते हैं और उसे आसमान में ऊँचा फहराते हुए देखकर गर्व महसूस करते हैं। मैं भी प्रत्येक नागरिक के साथ उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र के संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के सपने को साकार करने के लिए महान बलिदान दिए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, आइए हम सभी शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद करें। उनकी शहादत की स्मृति सदैव हमारे हृदय में अमर रहेगी। उनके बलिदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है जो समय की सीमाओं से परे है और हमें सदैव प्रेरित करती रहेगी। मैं उन नागरिक शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनकी 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी।

जहाँ एक ओर देश आज़ादी का पर्व मना रहा है, वहीं दूसरी ओर किश्तवाड़ के चशोती में बादल फटने से प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएँ भी हैं। मैं इस प्राकृतिक आपदा से स्तब्ध हूँ और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। हम स्थिति को नियंत्रण में लाने और प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए पूरी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

आज, स्वतंत्रता के इस पावन दिवस पर, मैं अपने सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और जम्मू–कश्मीर पुलिस के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनकी सतत सतर्कता और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा ने शांति की स्थापना की है और हम सभी को इस खूबसूरत केंद्र शासित प्रदेश की भावी प्रगति, समृद्धि और समावेशी विकास के लिए कार्य करने में सक्षम बनाया है। मैं अपने सशस्त्र बलों, अपने बहादुर सैनिकों, सुरक्षा, खुफिया एजेंसियों और श्ऑपरेशन सिंदूरश में शामिल प्रत्येक कार्मिक को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए उनकी बहादुरी और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देता हूँ। यह दिन सेना, सीआरपीएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस के हमारे वीर जवानों को सफल श्ऑपरेशन महादेवश के लिए नमन करने और राष्ट्र सेवा में उनके समर्पण के लिए उन्हें शुभकामनाएँ देने का भी है। भारत ने एक नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है। किसी भी आतंकी कार्रवाई को युद्ध माना जाएगा और हम दुश्मन को करारा जवाब देंगे। इस दिन, आइए हम आतंकवादियों के प्रयासों को विफल करने, आतंकवाद के पूरे तंत्र को ध्वस्त करने और जम्मू–कश्मीर को आतंक मुक्त बनाने का संकल्प लें।

आज, मैं जम्मू–कश्मीर के सामाजिक–आर्थिक विकास में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए किसानों, श्रमिकों, शिक्षकों, पेशेवरों, वैज्ञानिकों, व्यापारिक समुदायों, युवाओं और नारी शक्ति को भी बधाई देता हूँ। मुझे विकसित भारत के निर्माण में उनकी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। 21वीं सदी भारत की सदी है और जम्मू–कश्मीर हमारे महान राष्ट्र की आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। तिरंगा यात्रा अब हमारे सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और पूरा जम्मू–कश्मीर हर घर तिरंगा अभियान

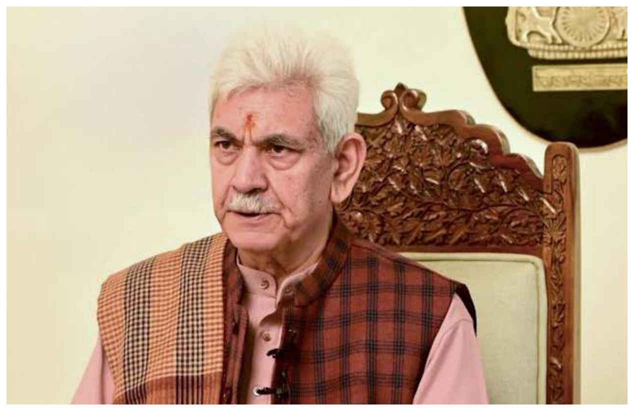

में भाग लेता है। पूरे केंद्र शासित प्रदेश में गौरवशाली तिरंगा थामे पुरुषों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों का देशभक्ति का उत्साह और भागीदारी पूरे देश के लिए प्रेरणा है।

पिछले पाँच वर्षों में जम्मू–कश्मीर में विकास की एक मज़बूत धारा बही है और हमने एक ऐसा केंद्र शासित प्रदेश बनाया है जो समृद्ध, शांतिपूर्ण, न्यायप्रिय, मानवीय और अपने सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करने वाला है। इस केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र और मज़बूत हुआ है। आज जम्मू–कश्मीर आत्मविश्वास से भरा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए तत्पर है। हम सब एक ही पहचान, एक भारतीय, के साथ आगे बढ़ रहे हैं और अंतिम साँस तक माँ भारती की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज़ादी के बाद से उनहत्तर वर्षों का लंबा सफ़र तय करने के बाद, अब समय आ गया है कि समाज के हर वर्ग को अब तक हासिल किए गए लक्ष्यों पर आत्मचिंतन करना चाहिए और भविष्य की रणनीति पर विचार करना चाहिए। पूज्य महात्मा गांधीजी ने एक बार स्वतंत्र भारत के अपने सपनों के बारे में कहा था। गांधीजी ने कहा था, ष्मैं एक ऐसे भारत के लिए काम करूँगा जहाँ ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति को भी लगे कि यह देश और यह राष्ट्र उसका है और इसके निर्माण में उसकी प्रमुख भूमिका है।ष पिछले पाँच वर्षों में, मेरा प्रयास पूज्य गांधीजी के सपनों का जम्मू–कश्मीर बनाने का रहा है। हमने कई क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कश्मीर अब भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गया है और कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेल संपर्क का सपना अब साकार हो रहा है। औद्योगिक विकास ने गहरी जड़ें जमा ली हैं।

अभूतपूर्व आर्थिक विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुँचा है। शहरी और ग्रामीण, दोनों ही वर्गों के लिए जीवन की सुगमता सुनिश्चित की गई है। महिलाओं, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाया गया है। पूरी दुनिया जम्मू–कश्मीर में आ रहे बदलाव को देख रही है और मेरा दृढ़ विश्वास है कि जन–भागीदारी से हम एक उज्ज्वल और शांतिपूर्ण जम्मू–कश्मीर का निर्माण करेंगे।

आइए, हम सभी कंधे से कंधा मिलाकर काम करने और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। मैं सभी से इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना पूर्ण योगदान देने का आह्वान करता हूँ। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द!
जय भारत!

जिला न्यायालय परिसर कठुआ में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

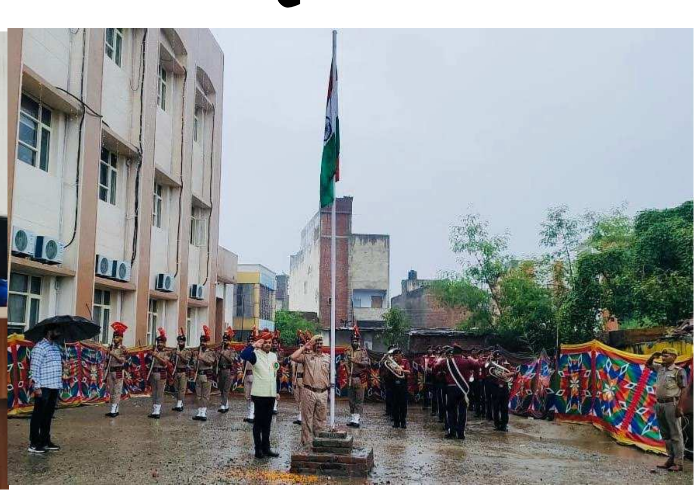

राज कुमार

कठुआ : माननीय उच्च न्यायालय, जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के निर्देशानुसार, 79वां स्वतंत्रता दिवस आज जिला न्यायालय परिसर (मुख्यालय) कठुआ में बड़े उत्साह एवं जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कठुआ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कठुआ के अध्यक्ष श्री जतिंदर सिंह जमवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ, जिसके उपरांत राष्ट्रीय गान का वादन किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सचिव (उप न्यायाधीश) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला मोबाइल मजिस्ट्रेट (ट्रैफिक), मुंसिफ/जेडीएमआईसी, अभियोजन विभाग के अधिकारी, बार एसोसिएशन कठुआ के अध्यक्ष, अधिवक्ता, पैनल वकील, पुलिस कर्मी, स्टाफ सदस्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर्स मौजूद रहे। कार्यक्रम देशभक्ति की भावना और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

कुलगाम में आतंकवादियों की तलाश अंतिम चरण में : कश्मीर आईजीपी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के कुलगाम ज़िले के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों की तलाश अभियान अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है, एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बुधवार को अभियान के 13वें दिन यह जानकारी दी।

1 अगस्त को अखल वन क्षेत्र में शुरू हुए अभियान के बाद से अब तक सेना के दो जवान शहीद हो चुके हैं और नौ घायल हुए हैं। मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने यहाँ बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ष्अखल अभियान अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है।ष

उन्होंने कहा कि अभियान का विवरण समय आने पर साझा किया जाएगा। हाल के वर्षों में कश्मीर घाटी में यह सबसे लंबा आतंकवाद–रोधी अभियान है।

बिरदी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल और सुरक्षा अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अधिकारी ने बताया, ष्मुख्य कार्यक्रम श्रीनगर शहर में होता है, जहाँ अति विशिष्ट व्यक्ति सलामी लेते हैं। इसके लिए श्रीनगर पुलिस ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर बहुस्तरीय व्यवस्था की है। ऊँची इमारतों पर सुरक्षाकर्मी भी तैनात हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में खेल बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया : एलजी सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

बिजबेहरा : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में पिछले पाँच वर्षों में खेल के बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिससे एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त हुआ है जो लाखों युवाओं को विभिन्न स्तरों पर खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहा है।

अनंतनाग में बिजबेहरा प्रीमियर लीग मैच के दौरान बोलते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में विश्व स्तरीय खेल सुविधाएँ विकसित की गई हैं और सरकार इनका और विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने कहा, ष्पाँच साल पहले, जम्मू–कश्मीर में सिर्फ़ ढाई लाख युवा ही खेल गतिविधियों में हिस्सा ले रहे थे। आज यह संख्या 40 लाख तक पहुँच गई है। यह सिर्फ़ एक आँकड़ा नहीं है – यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।ष

उन्होंने कहा कि अब जम्मू–कश्मीर के हर कोने में खेल गति. विधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट भी शामिल हैं, और युवा खिलाड़ी खेलों को न केवल जुनून के रूप में, बल्कि पेशेवर करियर के रूप में भी अपना रहे हैं। उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) के तहत जम्मू–कश्मीर के खेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री मोदी को श्रेय दिया और नई खेल नीति के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,

यह नीति सुनिश्चित करती है कि खेल विभाग और खेल परिषद के लिए युवाओं का चयन पूरी तरह से योग्यता के आधार पर किया जाए। नशामुक्त जम्मू–कश्मीर के निर्माण और आपके सभी सपना. को साकार करने के लिए सरकार पूरी लगन से काम कर रही है। मुझे विश्वास है कि आपकी भागीदारी और साहस जम्मू–कश्मीर को और अधिक शांतिपूर्ण वातावरण की ओर ले जाएगा।

उपराज्यपाल ने इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के शांतिपूर्ण संच. ालन के लिए जम्मू–कश्मीर, विशेषकर अनंतनाग के लोगों को बधाई दी, जिसके दौरान 4.14 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए।

उन्होंने आगे कहा, ष्ये यात्री कश्मीर के शांतिदूत के रूप में कार्य करेंगे, सद्भाव का संदेश फैलाएँगे और पर्यटन को और बढ़ावा देंगे।

उन्होंने कहा कि 36 वर्षों के अंतराल के बाद, पिछले वर्ष जम्मू–कश्मीर में लीजेंड्स क्रिकेट लीग के मैच आयोजित किए गए, जो इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के पुनरुद्धार का संकेत है। उन्होंने आगे कहा, मैंने जम्मू–कश्मीर में ऐसी चीजें देखी हैं जो कभी असंभव लगती थीं। खेल, खासकर क्रिकेट और वॉलीबॉल, लोगों के बीच एक सकारात्मक संदेश देते हैं और एकता के बंधन को मजबूत करते हैं।

कठुआ में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने फहराया तिरंगा, मार्च पास्ट की ली सलामी

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। देशभर के साथ कठुआ में भी 79वां स्वतंत्रता दिवस आज हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में आयोजित मुख्य समारोह में परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। मार्च पास्ट में जम्मू–कश्मीर पुलिस, आईआरपी, सीआरपीएफ, वन सुरक्षा बल, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने आकर्षक प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण, जिला विकास परिषद अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) महान सिंह, उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा, एसएसपी शोभित सक्सेना, डीडीसी सदस्य, पूर्व सैनिक, गणमान्य नागरिक, छात्र–छात्राएं और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सतीश शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेना. नियों को नमन किया। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, भगत सिंह, महात्मा गांधी सहित सभी राष्ट्रीय नेताओं के योगदान को याद किया। किश्तवाड़ में हाल ही में हुई बादल फटने की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। साथ ही उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में जुटे प्रशासन, सुरक्षा बलों, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्वयंसेवकों की सराहना की।

मंत्री ने जम्मू–कश्मीर के विकास की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज प्रदेश शांति, विकास और अवसरों के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, युवा सशक्तिकरण और आधारभूत ढांचे में सरकार की पहलें बताते हुए 5जी से 6जी तकनीक, सौर ऊर्जा परियोजनाएं, बायोटेक पार्क, खेलो इंडिया केंद्र और कठुआ वॉटर फ्रंट जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया। कृषि क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट, एवोकाडो, स्ट्रॉबेरी जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन ौर किसान खिदमत घरों के माध्यम से किसानों को मिलने वाली सुविधाओं को बड़ी उपलब्धि बताया। स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्तर भारत के पहले होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज की स्थापना और लगभग 100 प्रतिशत संस्थागत प्रसव का जिक्र किया। अंत में मंत्री ने लोगों से एकता, गरिमा और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन उत्कृष्ट प्रतिभागियों व उपलब्धि प्राप्त करने वालों के सम्मान और डीआईपीआर प्रतियोगिता के विजेताओं द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुति के साथ हुआ।

विक्रम रंधावा ने भाजपा मुख्यालय में जन शिकायत शिविर लगाया, सरकार से उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जल्द जारी करने की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ भाजपा नेता और बहू विधानसभा क्षेत्र से विधायक चौ. विक्रम रंधावा ने जम्मू–कश्मीर सरकार से उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए एसओ12 के तहत चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी करने में तेजी लाने का आग्रह किया है, जो चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित जन शिकायत शिविर को संबोधित करते हुए रंधावा ने सरकार को पहले से पूरी हो चुकी प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी करने के प्रति आगाह किया और कहा कि ऐसी देरी से जम्मू–कश्मीर के युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

रंधावा को बताया गया कि एसओ12 के तहत उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बिना किसी देरी के उनकी योग्यता का सम्मान करना सरकार की नैतिक और प्रशासनिक ज़िम्मेदारी है।

रंधावा ने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह के मामलों को लटकाए रखने से हमारे प्रतिभाशाली युवाओं, जिन्होंने केंद्र शासित प्रदेश का नाम रोशन किया है, के प्रति गलत संदेश जाता है।

जन शिकायत शिविर में गांधी नगर, सेक्टर–2 गंग्याल, इंदिरा नगर, लास्ट मोड़ गांधी नगर, लक्ष्मी पुरम, बावे, राजौरी–पुंछ–बस्ती–बेलिचराना, गोल मार्केट गांधी नगर, नानक नगर, राजीव नगर नरवाल, अर्जुन विहार और अन्य क्षेत्रों सहित विभिन्न इलाकों का प्रतिनिधित्व करने वाले बड़ी संख्या में व्यक्तियों और प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया।

उठाए गए मुद्दों में गलियों और नालियों की मरम्मत, जालियां ठीक करना, सड़कों का निर्माण, जाम नालियों की सफाई, अनियमित जलापूर्ति, अनिर्धारित बिजली कटौती, एसआरओ 43 की नियुक्तियां, राजीव नगर नाले पर अतिक्रमण, ई–बस मार्गों का विस्तार और लंबे समय से लंबित एसओ 12 खिलाड़ियों की नियुक्तियां शामिल थीं।

रंधावा ने धैर्यपूर्वक लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कई मामलों पर तुरंत चर्चा की। कई मामला. ें में, उन्होंने समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए मौके पर ही लिखित निर्देश जारी किए। उन्होंने दोहराया कि भाजपा प्रशासन के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

रंधावा ने ज़ोर देकर कहा, "हमारा उद्देश्य जनता और सरकार के बीच की दूरी को पाटना है। किसी भी जायज़ शिकायत को अनसुना या अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। मैं आज यहाँ उठाए गए हर मामले पर तब तक व्यक्तिगत रूप से नज़र रखूँगा जब तक ठोस नतीजे न मिल जाएँ।

ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में सुरेश रैना से पूछताछ की

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि

रैना (38) को सुबह करीब 11 बजे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से पहले मध्य दिल्ली स्थित एजेंसी के कार्यालय के बाहर सीआईएसएफ कर्मियों और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कर्मचारियों के साथ बातचीत करते देखा गया।

सूत्रों ने बताया कि संघीय जाँच एजेंसी ने 1xबेट नामक एक स्पोर्ट्स बेटिंग ऐप (एप्लिकेशन) से जुड़ी जाँच के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया। ऐसा माना जा रहा है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के ज़रिए इस ऐप से जुड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी इस ऐप से उनके संबंधों, विज्ञापन से अर्जित किसी भी शुल्क और दोनों पक्षों के बीच संचार के तरीके को समझना चाहता है।

एजेंसी ने हाल ही में इस जाँच के तहत गूगल और मेटा के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया था। मंगलवार को, एजेंसी ने च्तपउंजबी नामक एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के खिलाफ इसी तरह की जाँच के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी भी की।

एजेंसी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से जुड़े कई ऐसे मामलों की जाँच कर रही है, जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी मात्रा में कर चोरी करने का आरोप है।

बाज़ार विश्लेषण फर्मों और जाँच एजेंसियों के अनुमान के अनुसार, ऐसे विभिन्न ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के लगभग 22 करोड़ भारतीय उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से आधे (लगभग 11 करोड़) नियमित उपयोगकर्ता हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

लगातार बारिश से धंसी सड़क व अधूरे सड़क निर्माण पर विधायक डॉ. भारत भूषण ने दिया जल्द कार्रवाई का आश्वासन

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी। गुरुवार को विधायक डॉ. भारत भूषण नगरी पहुंचे और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को हुई भारी बारिश से कस्बा नगरी के मुख्य बाजार को जोड़ने वाली पुल के साथ धंसी सड़क का मौके पर जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पुल और सड़क को शीघ्र दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

मौके पर पहुंचे विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि नगरी का यह पुल ऐतिहासिक महत्व रखता है और इसे और भी बेहतर व खूबसूरत बनाने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पुल को चौड़ा और लंबा करने की मांग काफी पुरानी है और इसके लिए लगभग 15 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है, जिस पर कार्यवाही के प्रयास जारी हैं।

नगरी का ऐतिहासिक पल के साथ जोड़ने वाली सड़क दस जाने पर विधायक डॉ भारत भूषण स्थिति का जायजा लेते हुए व और लोगों से बात करते हैं

उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले नगरी से चांगरा को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को बनाने की दिशा में भी प्रयास चल रहे हैं। नक्कीया से नरोली मार्ग का कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है और कोशिश है कि इस वर्ष नगरी से चांगरा मार्ग का कार्य भी प्रारंभ हो जाए।

इस मौके पर तहसीलदार अनन्या जमाल, बीडीओ प्रदीप, भाजपा युवा नेता अर्पण वर्मा व अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में तिरंगा यात्रा निकाली, सत शर्मा ने सांबा और जम्मू में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, एकता और देशभक्ति को मजबूत करने का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू–कश्मीर ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाने के लिए पूरे जम्मू–कश्मीर में तिरंगा यात्राएं आयोजित कीं।

जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने आज स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय भावना का जश्न मनाते हुए जिला सांबा के रामगढ़ और जम्मू शहर में आयोजित उत्साही तिरंगा यात्राओं की श्रृंखला में भाग लिया।

रामगढ़ में, तिरंगा रैली में भारी जनभागीदारी देखी गई और देशभक्ति के जोश का माहौल देखने को मिला। सत शर्मा के साथ भाजपा उपाध्यक्ष रशपाल वर्मा, रामगढ़ विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, डीडीसी अध्यक्ष केशव दत्त शर्मा, डीडीसी सरबजीत सिंह जौहल, जिला अध्यक्ष आशा रानी, बृजेश्वर सिंह राणा और अन्य वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। रैली के शहर से गुज़रते समय, प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए।

बाद में जम्मू में, सत शर्मा शिवाजी चौक से गुरुद्वारा सिंह सभा, नानक नगर तक एक भव्य तिरंगा रैली में शामिल हुए। उनके साथ भाजपा महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन, विधायक चौधरी भी थे।

विक्रम रंधावा और बलवंत सिंह मनकोटिया, पूर्व एमएलसी चरणजीत सिंह खालसा, महिला मोर्चा अध्यक्ष नेहा महाजन सहित विनय महाजन, शैलजा गुप्ता, प्रेरणा नंदा, उर्वशी गुप्ता, नीना गुप्ता, सुनीता गुप्ता, लविशा गुप्ता और अन्य।

न्यू प्लॉट से कच्ची छावनी तक निकाली गई तिरंगा रैली में सत शर्मा के साथ उपाध्यक्ष प्रिया सेठी, विधायक युद्धवीर सेठी, जिला अध्यक्ष एडवोकेट राजेश गुप्ता व अन्य मौजूद थे।

गोल मार्केट में तिरंगा यारा का नेतृत्व भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक डॉ. नरिंदर सिंह, विधायक चौधरी ने किया। विक्रम रंधावा, उपाध्यक्ष रेखा महाजन, वरिष्ठ नेता असीम गुप्ता, जिला अध्यक्ष नरेश सिंह जसरोटिया व अन्य।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, सत शर्मा ने कहा, ष्तिरंगा यात्रा सिर्फ़ एक रैली नहीं है, यह एक राष्ट्र के रूप में हमारे गौरव, बलिदान और एकता का एक मार्मिक उत्सव है। सड़कों पर तिरंगा लेकर, हम एक मज़बूत संदेश दे रहे हैं कि देशभक्ति की भावना हर नागरिक में ज़िंदा है, और हम एक मज़बूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट हैं।ष

अशोक कौल ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा, ष्ये यात्राएँ स्वतंत्रता, त्याग और भाईचारे के मूल्यों को पुनर्जीवित करती हैं। ये यात्राएँ नागरिकों को मतभेदों से ऊपर उठकर हमारे राष्ट्र की सामूहिक प्रगति के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन रैलियों में तिरंगे का हर लहराना राष्ट्रीय एकता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।ष

राष्ट्रगान के गायन के साथ कार्यक्रमों का समापन हुआ, जिसमें समाज में स्वतंत्रता और एकता की भावना को जीवंत बनाए रखने का संकल्प दोहराया गया। भाजपा नेतृत्व ने जम्मू–कश्मीर में देशभक्ति और सामाजिक सद्भाव के बंधन को मज़बूत करने के लिए नागरिकों से ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान दोहराया।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार भारत में हैं : सूत्र

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार भारत में हैं और देश छोड़कर नहीं गए हैं, उनके करीबी लोगों ने बुधवार को बताया। सोशल मीडिया पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे विदेश, माल्टा, में बस गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव कुमार की देखरेख में हुए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में पद छोड़ा था। कुमार के करीबी लोगों ने बताया कि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त भारत में ही हैं और माल्टा में नहीं बसे हैं। कुमार उस समय सुर्खियों में आए थे जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनावों के दौरान "वोट चोरी" का आरोप लगाया था।

राहुल गांधी और बिहार के ब्लॉक नेता 17 अगस्त से पूरे राज्य में वोट अधिकार यात्रा निकालेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के साथ 17 अगस्त से पूरे राज्य में ष्वोट अधिकार यात्राष शुरू करेंगे। यह यात्रा मतदाता सूची में संशोधन के खिलाफ और ष्वोट चोरी के खिलाफ लड़ाईष को एक जन आंदोलन बनाने के लिए है। पार्टी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने 17 अगस्त को इस यात्रा की घोषणा की और कहा कि हमारे लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई सड़कों पर होगी। उन्होंने कहा, 17 अगस्त से, विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी और इंडिया पार्टियाँ खतरनाक एसआईआर अभ्यास के खिलाफ और वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई को एक जन आंदोलन बनाने के लिए पूरे बिहार में एक विशाल वोट अधिकार यात्रा शुरू करेंगी!

इस संदर्भ में, वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने यात्रा की तैयारी, लामबंदी और सुचारू समन्वय स्थापित करने के लिए बुधवार को सासाराम में इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मुलाकात की। यात्रा का समापन 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान में एक रैली के साथ होगा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया था कि ष्वोट चोरीष उसके लिए ष्करो या मरोष का मुद्दा है, और 14 अगस्त की शाम को श्लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्चश सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने आरोपों को लोगों तक ले जाने के लिए एक रोडमैप की घोषणा की। यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पार्टी महासचिवों, प्रभारियों और इसके प्रमुख संगठनों के प्रमुखों के साथ बैठक के बाद दिया गया।

बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए, कांग्रेस नेता और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के एआईसीसी प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि आगे चलकर, कांग्रेस तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ इसे जनता तक ले जाएगी।

कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों पर श्लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्चश निकाला जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि 22 अगस्त से 7 सितंबर के बीच कांग्रेस सभी राज्य मुख्यालयों में ष्वोट चोर, गद्दी छोड़ोष रैलियां करेगी।

उन्होंने कहा, ष्15 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच मतदान के अधिकार को बचाने और लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।ष उन्होंने यह भी कहा कि पूरा भारत इस पर एकजुट है। पिछले गुरुवार को, गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि कर्नाटक की बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पाँच तरह की हेराफेरी के ज़रिए एक लाख से ज़्यादा वोट ष्चुराएष गए। विपक्ष संसद के दोनों सदनों में मतदाता सूची में संशोधन के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन कर रहा है और आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग की इस कवायद का उद्देश्य इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचितष करना है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

सुरक्षा बनाम करूणा

संपादक – राज कुमार

आवारा कुत्तों पर बहस अब कानूनी और नैतिक चरम पर पहुँच गई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली–एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को आठ हफ़्तों के भीतर इकट्ठा करके उन्हें स्थायी रूप से आश्रय गृहों में भेजने के पहले के निर्देश पर तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। गुरुवार को, सर्वोच्च न्यायालय की तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया – एक ऐसा विराम जो इस बात को रेखांकित करता है कि यह मुद्दा कितना जटिल, भावनात्मक और राजनीतिक रूप से आवेशित हो गया है। जनभावनाएँ तीव्र रूप से विभाजित हैं, जहाँ जानवरों के प्रति करुणा और कमज़ोर बच्चों और बुज़ुर्गों को नुकसान से बचाने की तत्काल माँगों के बीच टकराव है। एक तरफ सरकार है, जिसका प्रतिनिधित्व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कर रहे हैं, जो इस टकराव को पशु प्रेमियों के एक ष्मुखर अल्पसंख्यकष और नागरिकों के एक ष्मौन, पीड़ित बहुसंख्यकष के बीच टकराव के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका तर्क जन सुरक्षा पर आधारित हैरू बच्चों और बुज़ुर्गों पर कुत्तों के हमले, भारत में रेबीज़ के मामलों की एक उच्च वैश्विक हिस्सेदारी, और समस्या को नियंत्रित करने में अकेले नसबंदी की विफलता। दूसरी ओर मानवाधिकारों के पैरोकार और गैर सरकारी संगठन हैं, जो इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मौजूदा पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों को लागू किया जाना चाहिए, न कि उन्हें दरकिनार किया जाना चाहिए। यह टकराव प्रशासनिक शून्यता को उजागर करता है। वकील कपिल सिब्बल का यह आरोप कि नसबंदी के धन की हेराफेरी की जा रही है और दिल्ली नगर निगम अपने दीर्घकालिक कर्तव्यों में विफल रहा है, व्यवस्थागत उपेक्षा की ओर इशारा करता है। अगर नियमों का लगातार पालन किया जाता, तो शहर अनियंत्रित कुत्तों की आबादी और मौजूदा जन स्वास्थ्य संकट, दोनों से बच सकता था। मानवीय समाधान सामूहिक गिरफ्तारी से शुरू नहीं हो सकता। अभिषेक मनु सिंघवी और कॉलिन गोंसाल्वेस जैसे वकील भीड़भाड़ वाले आश्रयों के खतरों – बीमारी, कुत्तों के बीच आक्रामकता और मनुष्यों के लिए जोखिम – के बारे में चेतावनी देते हैं। वे लक्षित टीकाकरण और नसबंदी के कारगर होने के प्रमाण भी देते हैंरू गुरुग्राम की आवारा कुत्तों की आबादी में कथित तौर पर 16 प्रतिशत की कमी आई है, निज़ामुद्दीन पूर्व में भारी कमी देखी जा रही है, और अनुमान है कि अगर नियमों का पालन किया जाए तो दिल्ली एक दशक में आवारा कुत्तों से मुक्त हो सकती है। फिर भी, इसका प्रतिवाद भी उतना ही तीखा है। जिन इलाकों में हमले बढ़ रहे हैं, वहाँ 10 साल के क्षितिज के लिए धैर्य की कमी है। सॉलिसिटर जनरल द्वारा मानवीय पीड़ा का आह्वान खारिज नहीं किया जा सकता, भले ही संसदीय उत्तरों में ष्शून्य रेबीज मौतोंष का दावा तात्कालिकता को कम कर दे। कुत्तों के काटने से भले ही मौत न हो, लेकिन वे शारीरिक और मानसिक रूप से ज़ख्म देते हैं – और सबसे गरीब लोग, जो सड़कों पर चलते हैं या काम करते हैं, अक्सर सबसे कम सुरक्षित होते हैं। अदालत अब जो फैसला सुनाएगी, वह दिल्ली के लिए न केवल एक मिसाल कायम करेगा। यह इस बात का एक आदर्श बन जाएगा कि भारत कैसे प्रतिस्पर्धी अधिकारोंरू मानव सुरक्षा और पशु कल्याण, के बीच संतुलन बनाता है। एक आरक्षित आदेश कोई टालमटोल नहीं है; यह एक संकेत है कि अदालत दोनों पक्षों के दांव को पहचानती है। अब एक संतुलित, लागू करने योग्य योजना की आवश्यकता है – एक ऐसी योजना जो लक्षित उपायों के माध्यम से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा करे, साथ ही मानवीय मानकों के अनुरूप नसबंदी, टीकाकरण और आश्रय क्षमता का विस्तार करे। यह मनुष्यों और पशुओं के बीच चयन करने का मामला नहीं है, बल्कि अधिकारियों को उन दायित्वों को पूरा करने के लिए बाध्य करने का मामला है, जिनकी वे लंबे समय से उपेक्षा करते आ रहे हैं।

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्द एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद्द तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है।

इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अतः भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अतः टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निर्माता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है।

इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है। अतः भारत आज इस स्थिति में है कि अपने नागरिकों को इन देशों में बसाने के लिए भेज सके। वैसे भी विश्व के कई देशों में आज लगभग 4 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं इन देशों की अर्थव्यवथा में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय नागरिक वैसे भी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं एवं इन देशों में शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी किसी भी देश पर अपनी ओर से आक्रमण नहीं किया है। भारतीय नागरिक "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना में विश्वास रखते हैं अतः किसी भी देश में वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ तुरंत घुलमिल जाते हैं। अतः भारत के लिए विभिन्न देशों को श्रमबल उपलब्ध कराने के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर भारत सरकार ने भी विभिन्न देशों के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना प्रारम्भ कर दिया है क्योंकि आगे आने वाले समय में विश्व व्यापार संगठन की उपयोगिता लगभग समाप्त हो जाएगी और आगे आने वाले समय में विदेशी व्यापार के क्षेत्र में दो देशों के बीच आपस में किए गए द्विपक्षीय व्यापार समझौते ही अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

15 AUGUST
Happy
INDEPENDENCE DAY
"FREEDOM IS THE MOST PRECIOUS THING IN EVERY HUMAN'S LIFE. NO ONE HAS THE RIGHT TO TAKE IT AWAY, AND WE MUST DO EVERYTHING POSSIBLE TO PROTECT OUR SOCIETY FROM CRUELTY AND VIOLENCE."
आई डी खजुरियां
नेशनल कमेटी सदस्य इंटरनेशनलिस्ट डेमोक्रेटिव प्लेटफॉर्म व साउथ एशिया पीस

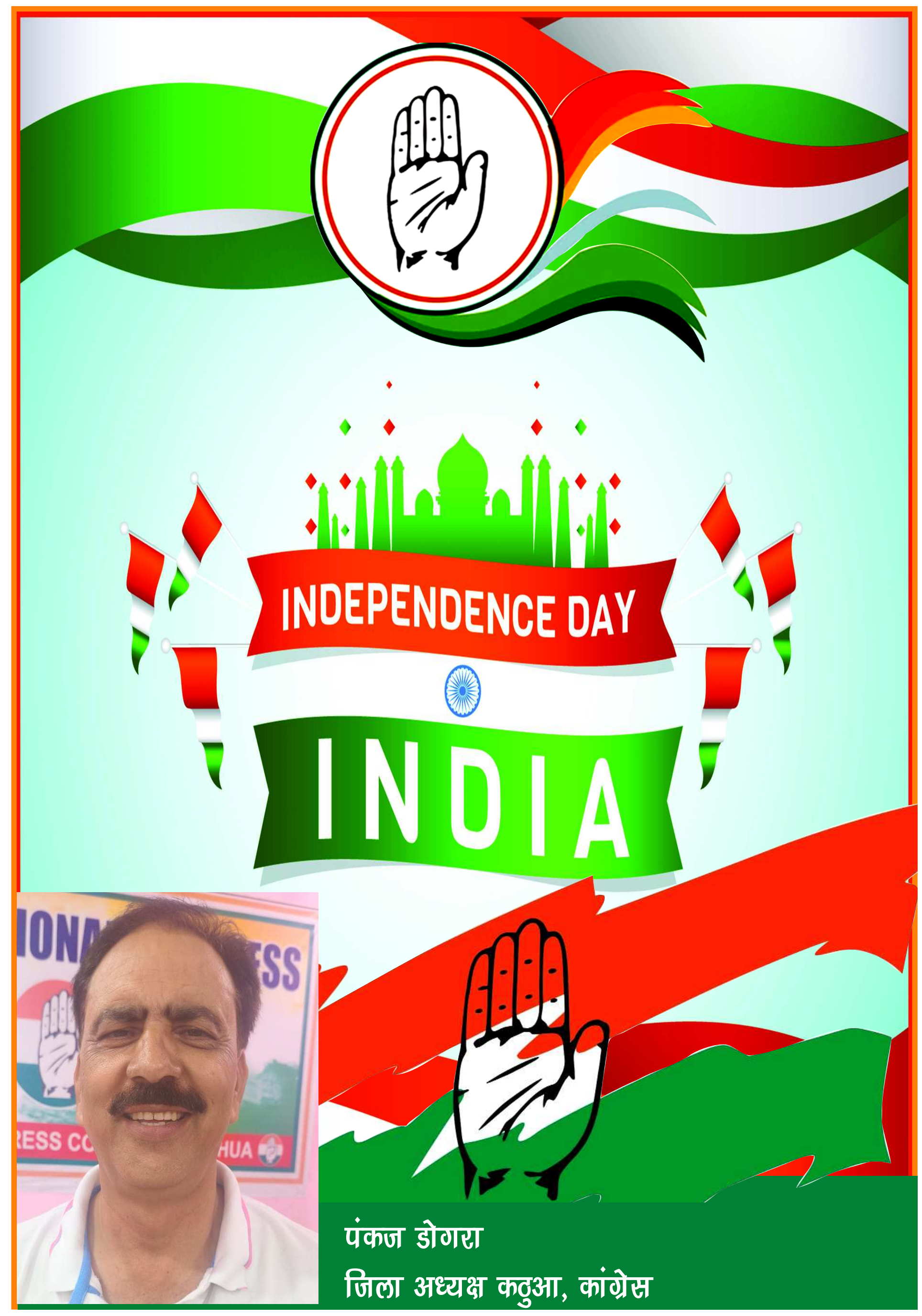
INDEPENDENCE DAY
INDIA
पंकज डोगरा
जिला अध्यक्ष कठुआ, कांग्रेस

साहस और शौर्य के
प्रतीक राष्ट्रीय पर्व
स्वतंत्रता
दिवस
की आप सभी देशवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
NIGESH KUMAR
SENIOR BJP LEADER
KATHUA

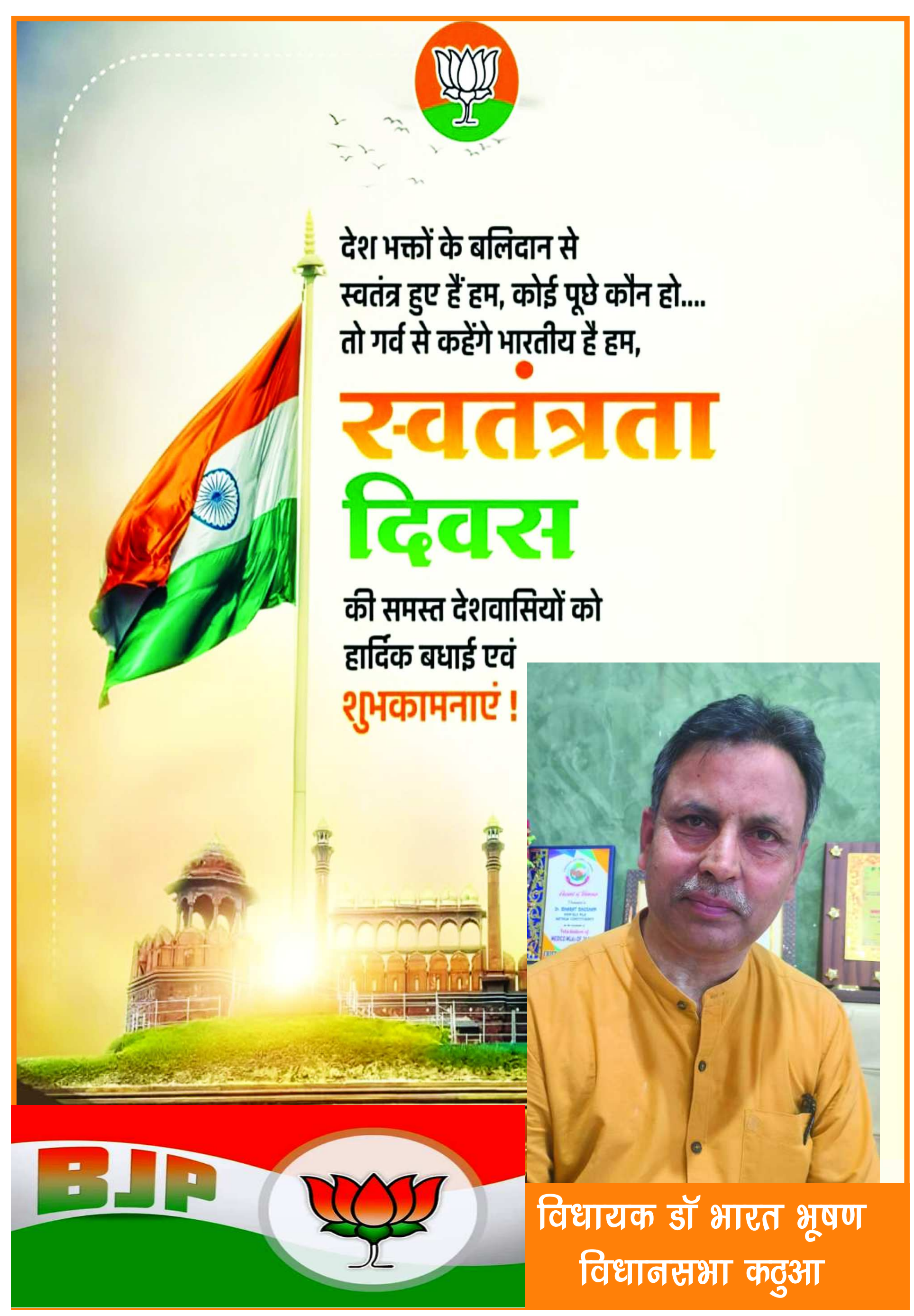
देश भक्तों के बलिदान से
स्वतंत्र हुए हैं हम, कोई पूछे कौन हो....
तो गर्व से कहेंगे भारतीय हैं हम,
स्वतंत्रता
दिवस
की समस्त देशवासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं !
BJP
विधायक डॉ भारत भूषण
विधानसभा कठुआ

INDIA
Happy
79th
Independence
Day
रवि आंदोत्रा
भाजपा नगरी मंडल प्रधान

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

मंडल डिंगा अंब में भव्य तिरंगा यात्रा, जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया हुए शामिल

सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटा : जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंडल डिंगा अंब के विभिन्न स्थानों पर भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कार्यकर्ता और युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा में जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने भी भाग लिया और लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल हमारे तिरंगे के गौरव का प्रतीक है, बल्कि देश की अखंडता और एकता को मजबूत करने का संकल्प भी है। स्थानीय लोगों ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति के गीत गाए और "भारत माता की जय" के नारों से वातावरण गूंज उठा।

जम्मू-कश्मीर के मुद्दों पर भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार लोनी की सांसद चंद्रशेखर आज़ाद से मुलाकात, आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों की समस्याएं उठाई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मूरू भीम आर्मी जम्मू–कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार लोनी ने सांसद चंद्रशेखर आज़ाद से मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान ऑल जम्मू बेस्ड रिज़र्व कैटेगरी एम्प्लॉइज़ एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी अपने 15 वर्षों से लंबित ट्रांसफ़र पॉलिसी से जुड़े मामलों को मजबूती से उठाया।

कर्मचारियों ने बताया कि 2006 में शुरू हुई इंटर–डिस्ट्रिक्ट / इंटर–डिविज़नल भर्ती नीति में जम्मू आधारित आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के ट्रांसफ़र का कोई प्रावधान नहीं रखा गया। बार–बार ज्ञापन देने और आग्रह करने के बावजूद अब तक किसी सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण से इस पर विचार नहीं किया।

उन्होंने याद दिलाया कि आतंकियों द्वारा शिक्षिका रजनी बाला की निर्मम हत्या के बाद, वर्षभर चले संघर्ष के नतीजे में 20 अक्टूबर 2022 को माननीय उपराज्यपाल ने सात सदस्यीय समिति गठित कर उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

मीडिया को जानकारी देते हुए पवन कुमार लोनी ने कहा कि जम्मू आधारित आरक्षित वर्ग के कर्मचारी पिछले 15 वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर इनकी समस्याओं का समाधान करे।

कर्मचारियों ने सांसद चंद्रशेखर आज़ाद से आग्रह किया कि वे उनकी समस्याओं को संसद, मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के सामने मजबूती से रखें, ताकि न्याय मिल सके।

जम्मू कश्मीर की समस्याओं का ज्ञापन देते हुए भीम आर्मी जम्मू कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार लोनी व अन्य साथी

कहानी

'तुम और तुम्हारी यादें'

शैलजा एक स्कूल में पढ़ाती है। उसका पति आतिश एक कंपनी में काम करता है। दो बच्चे गौरव और टीना है। सब कुछ बहुत अच्छे से चल रहा था। एक दिन अचानक गौरव की तबीयत बहुत खराब हो गई। शैलजा ने आतिश को बताया तो आतिश उसे डॉक्टर के पास ले गया। दवाई लेकर वे लोग घर आ गए, मगर कुछ दिनों तक भी कोई फ़र्क नहीं पड़ा। गौरव एक होनह. ार बच्चा था। जब गौरव की तबीयत ठीक नहीं हुई तो दोनों माता–पिता घबराने लगे। फिर किसी उन्होंने एक डॉक्टर का पता बताया वह उसे वहां ले गए। डॉक्टर ने उसके सारे टेस्ट दोबारा से करवाए और उनको बताया कि उनके बच्चे को एक भयानक बीमारी हो गई है। जिसकी वजह से वह बच नहीं पाएगा। दोनों माता–पिता सुन हो गए कि यह क्या हो गया? वह अपने बच्चे को घर ले आए मगर उन्होंने उसके इलाज में कोई कमी नहीं छोड़ी। गौरव को नहीं पता था कि वह कुछ दिनों का मेहमान है। वह बड़ा क्रिकेटर बनना चाहता था और अपनी बहन के लिए वह सब कुछ करना चाहता था जो एक भाई चाहता है। मगर किस्मत को कुछ और ही मंज़ूर था। तीन महीने बाद गौरव 12 साल की उम्र में सबको रोता छोड़ कर इस दुनिया से चला गया। मगर अपनी यादें हमेशा के लिए छोड़ गया। शैलजा रोती हुई गौरव की तस्वीर को देखते हुए बोलते कि अब तो बस तुम और तुम्हारी यादें ही रह गई हैं।

पुनीत गोयल
पटियाला पंजाब

जहाँ कृष्ण हैं, वहीं विजय है!

विवेक अत्रे

जन्माष्टमी का पर्व, इस धरा पर भगवान्‍ कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, यह प्रतिवर्ष हमें स्मरण कराता है कि हम अपने जीवन तथा अपने समस्त कर्मों को ईश्वर को बार–बार समर्पित करते रहें। भगवान्‍ कृष्ण का यह अमर संदेश हम भगवद्गीता के माध्यम से सीखते हैं रू "अपने मन को मुझ में लीन करो; मेरे भक्त बनो; सब कुछ मुझ पर छोड़ दो; मुझे प्रणाम करो। तुम मेरे प्रिय हो, इसलिए मैं यह सत्य वचन देता हूँ रू– तुम मुझे प्राप्त करोगे!" (ईश्वर–अर्जुन संवाद रू श्रीमद्भगवद्गीता ग्टप्प्रू65)

अतः, जन्माष्टमी का, और वस्तुतः भगवान् विष्णु के महान् अवतार भगवान् कृष्ण के जीवन का सच्चा अभिप्राय यह है कि प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन और अपने समस्त कर्मों के फल केवल ईश्वर को ही समर्पित करने के प्रयोजन का बोध होना चाहिए।

"जहाँ भगवान्‍ श्रीकृष्ण हैं, वहाँ विजय है!" ये अमर शब्द, जो भारत में सदियों से पीढ़ी–दर–पीढ़ी चले आ रहे हैं, हमें अपनी जीवन–यात्रा के दौरान, हमारे मार्ग में निरंतर आने वाली सभी परीक्षाओं और कठिनाइयों के बावजूद, अपने मन को सदैव प्रभु पर केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

श्री श्री परमहंस योगानन्दजी, जो विश्वविख्यात आध्यात्मिक गौरव–ग्रंथ 'योगी कथामृत' के लेखक हैं, ने भगवद्गीता पर दो खण्डों वाला एक ग्रंथ 'ईश्वर–अर्जुन संवाद' लिखा। भगवद्गीता पर लिखी इस गहन आध्यात्मिक व्याख्या के 'परिचय' में योगानन्दजी कहते हैं रू "ईश्वर की ओर वापसी के पथ पर व्यक्ति जहाँ कहीं भी हो, गीता यात्रा के उस खण्ड पर अपना प्रकाश डालेगी।"

योगानन्दजी भगवद्गीता के मूलभूत संदेश पर अपनी व्याख्या में इस बात पर बल देते हैं कि कुरुक्षेत्र के युद्ध और युद्ध आरम्भ होने से पहले अर्जुन की निराशा का वास्तविक महत्त्व वस्तुतः प्रत्येक मनुष्य को अपनी इच्छाओं और आदतों को त्यागने और धर्मयुद्ध लड़ने, जिसका अन्तिम परिणाम आत्मा की मुक्ति होगा, की अनिच्छा है।

भगवद्गीता में महान् योद्धा अर्जुन का भगवान् श्रीकृष्ण से विनती करने का उल्लेख इस प्रकार से किया गया है,"मेरी आंतरिक प्रकृति दुर्बल सहानुभूति और दया से ढकी होने, और मेरा मन कर्त्तव्य के विषय में भ्रमित होने के कारण, मैं आपसे विनती करता हूँ कि कृपया मुझे परामर्श दें कि मेरे लिए किस मार्ग का अनुसरण करना सर्वोत्तम है। मैं आपका शिष्य हूँ। मैं आपकी, शरण में हूँ, मुझे शिक्षा दीजिये।" (ईश्वर–अर्जुन संवादरू श्रीमद्भगवद्गीता प्प्रू07)

इसके बाद भगवान् कृष्ण गीता का वह अमर उपदेश प्रदान करते हैं, जो वास्तव में मानवता का उत्थान करता है, क्योंकि यह स्वयं भगवान् द्वारा प्रदत्त है, और निस्संदेह, भगवान् कृष्ण द्वारा प्रतिपादित प्रत्येक शब्द लौकिक मूल्य से परे है। उसमें भगवान् कृष्ण, अर्जुन को अत्यंत दृढ़तापूर्वक समझाते हैं रू "योगी को शरीर पर नियंत्रण करने वाले तपस्वियों, ज्ञान के पथ पर चलने वालों से भी अथवा कर्म के पथ पर चलने वालों से भी श्रेष्ठ माना गया है; हे अर्जुन, तुम योगी बनो!" (ईश्वर–अर्जुन संवादरू श्रीमद्भगवद्गीता टप्रू46)

भगवान् कृष्ण ने भगवद्गीता, जो मानवजाति के लिए विदित सर्वोच्च आध्यात्मिक विज्ञानों में से एक क्रियायोगश का दो बार उल्लेख किया है। यही क्रियायोगश परमहंस योगानन्द की शिक्षाओं का भी मूल तत्त्व है, जिसका प्रशिक्षण उन्हें अपने गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि से मिला था। स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि स्वयं परम पूज्य योगावतार लाहिड़ी महाशय के शिष्य थे, जो स्वयं एक महान् अवतार, महावतार बाबाजी के शिष्य थे।

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया, वाईएसएस, जिसकी स्थापना परमहंस योगानन्दजी ने की थी, मुद्रित और डिजिटल सामग्री के माध्यम से इन महान् गुरुओं की शिक्षाओं का प्रसार करती है। वाईएसएस की 'आदर्श जीवन' पाठमाला इस प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण भाग है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ कैंपस में इंडक्शन प्रोग्राम 2:25 का भव्य समापन

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ कैंपस में आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम 2ज्ञ25 का आज भव्य समापन हुआ। एक सप्ताह तक चले इस कार्यक्रम में नए छात्रों के स्वागत के लिए शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेलकूद से जुड़ी अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कठुआ कैंपस के रेक्टर प्रो. अरविंद जसरोटिया ने छात्रों को संबोधित करते हुए अनुशासन, धैर्य और समग्र शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है।

इससे पहले कार्यक्रम संयोजक एवं एमसीए विभाग के इंचार्ज हेड डॉ. सौरभ

शास्त्री ने स्वागत भाषण दिया और छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

समारोह में खेल प्रतियोगिताओं के विज.`ताओं को सम्मानित किया गया। शतरंज में कुनाल सिंह (एमबीए प्रथम सेमेस्टर) विज.`ता और तरुण जमवाल (एमबीए प्रथम सेमेस्टर) उपविजेता रहे। टेबल टेनिस में हर्ष जमवाल (एमबीए प्रथम सेमेस्टर) प्रथम, मोहित (एमसीए प्रथम सेमेस्टर) द्वितीय स्थान पर रहे। कैरम में मोहम्मद सज्जिद (एमसीए प्रथम सेमेस्टर) विजेता और दीपांशु (एमसीए तृतीय सेमेस्टर) उपविजेता बने। वहीं बैडमिंटन में ऋषव (एमसीए तृतीय सेमेस्टर) ने प्रथम और रिया वर्मा (एमबीए प्रथम सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में प्रस्मी, श्रिया, संजना, हर्ष, अभिलाषा, शामली, जानवी, सज्जिद, नीतू, माधवी, मन्या, अखिलेश, खुशी, अतुल, तरुण, भाव्या, तानिया, वंदना, सिमरन, सोहनी, बंधना, मननत, अभय और वंश ने अपनी कला का प्रदर्शन कर माहौल को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में एमबीए विभाग की इंचार्ज हेड एवं आयोजन सचिव डॉ. रजनी सरंगल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. ऋतु शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. विवेक शर्मा, ले. अमित शर्मा, डॉ. सुरेखा फकवरिया, प्रिंसी वर्मा, डॉ. भारती राणा, डॉ. प्रणव रत्ता, डॉ. नोमीता शर्मा और डॉ. मीनाक्षी ठाकुर सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

एनआईटी श्रीनगर के संकाय को खान मंत्रालय, भारत सरकार से रू 73.92 लाख मिले, जम्मू–कश्मीर के बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने वाली परियोजना

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर के एक संकाय सदस्य को उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकी के माध्यम से जम्मू–कश्मीर के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के उद्देश्य से एक परियोजना के लिए भारत सरकार के खान मंत्रालय से घ73,92,450 का प्रतिष्ठित अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है।

ष्जम्मू–कश्मीर के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करनारू पुलों और ऊँची संरचनाओं के लिए संक्षारण–रोधी और उच्च शक्ति वाला 6082 ज्6 एल्युमीनियम मिश्र धातुष शीर्षक वाली तीन वर्षीय परियोजना का नेतृत्व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार नाइक, प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में करेंगे, जबकि सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप सामंतराय, सह–पीआई के रूप में कार्य करेंगे।

यह शोध 6082 ज्6 एल्युमीनियम मिश्रधातु की यांत्रिक शक्ति और संक्षारण प्रतिरोध में सुधार पर केंद्रित होगा, जिससे यह केंद्र शासित प्रदेश में पुलों, टावरों और ऊँची इमारतों जैसी मांग वाली बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए आदर्श बन जाएगा।

जम्मू–कश्मीर की चुनौतीपूर्ण जलवायु और भू–भाग को देखते हुए, इस परियोजना का उद्देश्य टिकाऊ, सुरक्षित और लागत प्रभावी निर्माण सामग्री प्रदान करना है। एनआईटी श्रीनगर के निदेशक, प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने डॉ. नाइक और डॉ. सामंतराय को बधाई देते हुए कहा कि यह परियोजना वास्तविक दुनिया की इंजीनियरिंग चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय विकास में योगदान देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ष्यह परियोजना हमारे संकाय की प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त करने और महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता का प्रमाण है। इसका क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।ष

संस्थान के रजिस्ट्रार, प्रो. अतीकुर रहमान ने भी इस उपलब्धि की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह की पहल संस्थान के अनुसंधान स्तर को ऊँचा उठाती है और यह दर्शाती है कि कैसे अकादमिक विशेषज्ञता को विकास संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ष्यह अनुदान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो संस्थान के अनुसंधान प्रोफ़ाइल को मज़बूत करेगा और राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचा पहलों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में, में इसकी भूमिका को सुदृढ़ करेगा।ष

इस बीच, डॉ. नाइक ने खान मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस धनराशि से 6082 ज्6 एल्युमीनियम मिश्रधातु के गुणों को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान संभव होगा। डॉ. सामंतराय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसके परिणामों से पुलों, टावरों और ऊँची इमारतों जैसी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर की कठिन जलवायु परिस्थितियों में, सीधे लाभ होगा।

उन्होंने आगे बताया कि उनका शोध समूह वर्तमान में जम्मू और कश्मीर के विकास पर केंद्रित कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है, और इन पहलों का कुल मूल्य घ1.06 करोड़ है।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

जम्मू-कश्मीर में तिरंगा यात्राओं में भारी भागीदारी ने अलगाववादी मिथकों को तोड़ा, बेजोड़ देशभक्ति को दर्शाया : डॉ. प्रदीप महोत्रा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के हर कोने में विशाल तिरंगा यात्राओं में अभूतपूर्व भागीदारी ने एकता, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रेम का एक शानदार संदेश दिया है।

डॉ. महोत्रा ने कहा कि ये दिल दहला देने वाले दृश्य कुछ राजनेताओं के लंबे समय से प्रचारित दावों का सीधा खंडन करते हैं, जिन्होंने वर्षों तक सीमा पार की ताकतों के इशारे पर अलगाववाद के ईंधन से लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया। उन्होंने कहा, ष्पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार कहा था कि अगर अनुच्छेद 370 को कभी छुआ गया, तो जम्मू-कश्मीर में तिरंगा फहराने वाला कोई नहीं बचेगा। आज, स्कूली बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, हर जिले में राष्ट्रीय ध्वज लहराती भारी भीड़ ऐसे निराधार दावों का सबसे कड़ा और करारा जवाब है।ß

हर घर तिरंगा अभियान में, खासकर कश्मीर घाटी में, व्यापक भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. महोत्रा ने कहा कि यह उत्साह राष्ट्रीय एकता, शांति और समृद्धि के प्रति क्षेत्र की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा, ष्मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा स्वतंत्रता दिवस के बाद भी लोगों से तिरंगे का सम्मान करने का आह्वान बदलती मानसिकता और उज्ज्वल भविष्य की सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है।ß

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा और सामाजिक-राजनीतिक माहौल में आए बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त और निर्णायक नेतृत्व और उपराज्यपाल प्रशासन के प्रभावी शासन को दिया। डॉ. महोत्रा ने कहा, ष्आतंकवाद और अलगाववाद पर कड़ी कार्रवाई से क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थिरता आई है और हमारे युवाओं के लिए विकास और अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ है।ß

उन्होंने इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के महत्व को भी रेखांकित किया, जो ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से और भी ख़ास हो गया, जिसने सीमा पार आतंकी ढाँचे को ध्वस्त करके आतंकवाद पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा, ष्यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हम एक नए, आत्मविश्वास से भरे और एकजुट जम्मू-कश्मीर को राष्ट्रीय ध्वज के नीचे गर्व से खड़ा देख रहे हैं।ß

डॉ. महोत्रा ने आगे कहा कि तिरंगा यात्राओं में भारी भागीदारी न केवल स्वतंत्रता का उत्सव है, बल्कि भारतीय राष्ट्र और उसके सुनहरे भविष्य के प्रति जम्मू-कश्मीर की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उधमपुर में ऑनलाइन हेरोइन सप्लाई रैकेट चलाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पुलिस ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक तस्कर को गिरफ्तार कर ऑनलाइन संचालित होने वाले एक हेरोइन आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने बताया कि

जखेनी में नियमित जांच के दौरान, पुलिस की एक टीम ने डोडा निवासी आरिफ हुसैन नामक आरोपी को पकड़ा और उसके पास से हेरो. इन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी ग्राहकों के साथ सटीक डिलीवरी लोकेशन साझा करके और पारंपरिक ट्रैकिंग विधियों से बचने के लिए सीधे अपने बैंक खाते में भुगतान प्राप्त करके हेरोइन आपूर्ति नेटवर्क संचालित कर रहा था। पुलिस ने कहा कि उन्होंने ऑनलाइन चल रहे पूरे हेरोइन आपूर्ति रैकेट का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। पुलिस ने जनता से ऐसे किसी भी नेटवर्क के बारे में कोई भी जानकारी अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन के साथ साझा करने की भी अपील की।

अलगाववादी साहित्य पर प्रतिबंध लंबे समय से लंबित और स्वागत योग्य है : गिरधारी लाल रैना

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एक लंबे समय से प्रतीक्षित और स्वागत योग्य निर्णय लेते हुए, उन 25 पुस्तकों को ज़ब्त करने और उन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है जो खुलेआम अलगाववाद का प्रचार करती हैं, आतंकवाद का महिमामंडन करती हैं और राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुँचाती हैं। पूर्व एमएलसी और भाजपा प्रवक्ता, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश, गिरधारी लाल रैना ने कहा कि यह कदम न केवल समयोचित है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा और संवेदनशील लोगों को दुर्भावनापूर्ण प्रचार से बचाने के लिए आवश्यक भी है।

रैना ने याद दिलाया कि गृह विभाग द्वारा 5 अगस्त को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 98 के तहत जारी एक अधिसूचना (एसओ 203) में इन पुस्तकों को ष्ज़ब्तß घोषित कर दिया गया था, जिसमें इनके झूठे आख्यानों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं को गुम. राह करने में इनके खतरनाक प्रभाव का हवाला दिया गया था। यह निर्णय एक विस्तृत विषय-वस्तु समीक्षा और खुफिया सूचनाओं के बाद लिया गया, जिनसे पता चला कि इनमें ऐतिहासिक तथ्यों को व्यवस्थित रूप से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है, सुरक्षा बलों को बदनाम किया गया है और हिंसा को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ये निष्कर्ष काल्पनिक नहीं हैंकृये साक्ष्य-आधारित हैं, गहन जाँच और विश्वसनीय सुरक्षा आकलन पर आधारित हैं।

पूर्व विधान पार्षद ने रेखांकित किया कि यह सर्वविदित है कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से चली आ रही मौत और तबाही को एक सुनियोजित प्रचार तंत्र द्वारा हवा दी जा रही है जो इतिहास को झुठलाने, शिकायतें गढ़ने और आतंकवाद को रोमांटिक बनाने पर आधारित है। ऐसा साहित्य केवल राय को ही नहीं दर्शाता; यह राज्य के विरुद्ध हथियार उठाने वालों में पीड़ित और वीरता की संस्कृति को रणनीतिक रूप से स्थापित करता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी सामग्री का निरंतर आंतरिक प्रसार कश्मीरी युवाओं के एक वर्ग में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कारण रहा है।

आश्चर्य की बात नहीं कि प्रभावित व्यक्तियों और उनके व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र ने अपेक्षित आक्रोश के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक पूर्ण अधिकार बताया है। वे इस तथ्य को आसानी से नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19 संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, लोक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि, किसी अपराध के लिए उकसाने, या अनुसूचित जनजा. तियों के हितों की सुरक्षा के हित में उचित प्रति. बंधों के अधीन इस स्वतंत्रता की गारंटी देता है। जीएल रैना ने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी संवैधानिक लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कभी भी अलगाववाद को बढ़ावा देने, हिंसा का महिमामंडन करने, या राष्ट्र के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ने का लाइसेंस नहीं है।

जो लोग अब प्रतिबंध पर विलाप कर रहे हैं, उन्हें अपना रिकॉर्ड देखना चाहिए। जब ष्कश्मीर में हिंदुओं का नरसंहारß, ष्लज्जाß, ष्गांधी वध क्योंß जैसी किताबों या राम स्वरूप, सलमान रुश्दी और तस्लीमा नसरीन जैसे लेखकों की रचनाओं पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब वे चुप रहेकृया उससे भी बदतर, इसमें शामिल रहे। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्ववर्ती शासनों की आलोचना करने वाली फिल्मों, धारावाहिकों, गीतों और कविताओं पर भी तुच्छ आधारों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जम्मू-कश्मीर सहायता समिति के लिए सुरुचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तिका ष्कश्मीर में हिंदुओं का नरसंहारß में 1989-90 के दौरान कश्मीर में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हुए भयानक अत्याचारों का विवरण दिया गया था। रैना ने खेद व्यक्त किया कि फिर भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक भी स्वयंभू रक्षक ने इसके दमन के खिलाफ आवाज नहीं उठाई।

उन्होंने कहा कि यह चुनिंदा आक्रोश संवैधानिक नैतिकता का मामला नहीं हैकृयह एक कथात्मक एकाधिकार को बनाए रखने का मामला है। यह पाखंड स्पष्ट है, और दुर्भाग्य से, यह लंबे समय तक चलता है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एसयूवी के खाई में गिरने से महिला और उसके छोटे बेटे की मौत

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी/जम्मू : जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में एक एसयूवी के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक महिला और उसके दो साल के बेटे की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि

एसयूवी चला रहा महिला का पति लापता है और उसकी तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात लाठी गाँव के पास हुआ जब महिंद्रा एक्सयूवी300, जिसमें तीन लोग सवार थे, मौघला से खवास की ओर जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि

बचावकर्मियों को ललिता देवी (25) और उनके दो साल के बेटे के शव मिले, जबकि उनके पति बलजीत सिंह का कोई पता नहीं चल पाया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ में किताबों की दुकानों में 25 प्रतिबंधित किताबों की तलाशी ली

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित 25 किताबों को ज़ब्त करने के लिए पुंछ ज़िले की किताबों की दुकानों पर छापेमारी की।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ष्झूठे आख्यानों और अलगाववाद को बढ़ावा देने के आरोप में पहचानी गई 25 किताबों को ज़ब्त करने के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने ज़िले भर की किताबों की दुक. नों पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि ज़िले भर में कई जगहों पर की गई गहन तलाशी के दौरान, किसी भी परिसर में ऐसी कोई किताब नहीं मिली। उन्होंने कहा, ष्किताबों की दुकान के मालिकों को निर्देश के बारे में जागरूक किया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया कि ऐसी प्रतिबंधित सामग्री न तो किसी भी रूप में रखी जाए और न ही बेची जाए।ß

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पिछले हफ़्ते ष्झूठे आख्यानों को बढ़ावा देने और आतंकवाद का महिमामंडन करनेß के आरोप में 25 किताबों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। गृह विभाग द्वारा जारी एक आद. ेश के अनुसार, मौलाना मौदादी, अरुंधति रॉय, एजी नूरानी, विक्टोरिया स्कोफील्ड और डेविड देवदास जैसे प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखी गई किताबें भी जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद का प्रचार करती हैं और इन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 98 के तहत ज़ब्त घोषित किया जाना चाहिए।

मोदी जी की दूरदर्शिता ने गंडयाल पंचायत की उपेक्षा को प्रगति में बदल दिया : पवन शर्मा

शिव मंदिर, कठुआ में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता का एक जोशीला प्रदर्शन करते हुए, भाजपा जम्मू-कश्मीर के प्रदेश सचिव पवन शर्मा ने आज कठुआ के गंडयाल पंचायत स्थित शिव मंदिर में आयोजित वृक्षारोपण समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वृक्षारोपण समारोह का संचालन लखनपुर मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमन बाला ने किया और इसका संचालन अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिंगारा सिंह और कठुआ के पूर्व जिला सचिव अक्षय भारती ने किया। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान ष्एक पेड़ माँ के नामß से प्रेरित राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य हरित भारत के लिए प्रत्येक नागरिक को जोड़ना है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ष्एक पेड़ माँ के नामß पहल सिर्फ़ एक पौधारोपण अभियान नहीं हैकृयह हमारी जड़ों से एक भावनात्मक जुड़ाव है। जब हम अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाते हैं, तो हम एक जीवंत श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जो दशकों तक पर्यावरण की सेवा करेगी।ß

शर्मा ने इस अवसर पर लोगों को पिछले एक दशक में गंडयाल पंचायत में हुए बदलाव की याद दिलाई।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटा में बनेगा उत्तर भारत का पहला सरकारी होम्योपैथिक कॉलेज, डॉ. जितेंद्र सिंह के प्रयास से मिली सौगात : विधायक राजीव जसरोटिया

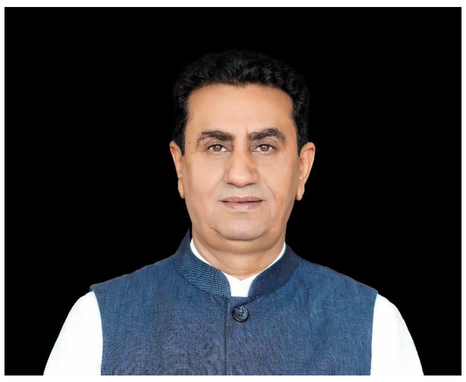

राज कुमार

कठुआ, जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले के जसरोटा विधानसभा क्षेत्र को उत्तर भारत का पहला सरकारी होम्योपैथिक (होम–यो–पै–थिक) कॉलेज मिलने जा रहा है। जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने इस ऐतिहासिक परियोजना की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के प्रयासों के लिए आभार जताया। करीब 80 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह कॉलेज राख होशियारी, जसरोटा में 8 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। कॉलेज में अस्पताल परिसर, आधुनिक कॉलेज भवन, प्रशासनिक (एड–मिन–नि–स्ट्–रेटिव) ब्लॉक, छात्र–छात्राओं के लिए अलग–अलग हॉस्टल (हॉस–टल) की सुविधा होगी। भविष्य में 3 एकड़ अतिरिक्त भूमि पर ऑडिटोरियम (ऑ–डी–टो–रि–यम) और खेल मैदान जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। कठुआ सचिवालय में आयोजित ष्दिशाष् (डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट को–ऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी) बैठक में, डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जसरोटा क्षेत्र की कई विकास परियोजनाओं की समीक्षा हुई। इनमें होम्योपैथिक कॉलेज, मेडिकल (मे–डि–कल) कॉलेज का विस्तार और कैंसर (कैं–न्सर) उपचार सुविधा जैसे अहम प्रोजेक्ट (प्रॉ–जे–क्ट) प्रमुख रूप से शामिल रहे। विधायक जसरोटिया ने कहा कि इस कॉलेज के निर्माण से न केवल जम्मू–कश्मीर बल्कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मरीजों व विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा, जिससे यह क्षेत्र चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनेगा

कठुआ में डिशा बैठक, विकास परियोजनाओं की हुई समीक्षा, बैठक में मुख्य तौर पर कठुआ विधायक डॉक्टर भारत भूषण रहे उपस्थित

राज कुमार

बुधवार को मिनी जिला सचिवालय कठुआ में दिशा बैठक में मुख्य तौर पर कठुआ विधायक डॉ भारत भूषण शामिल हुआ, जिसकी अध्यक्षता माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने की। बैठक में जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

इस मौके पर कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण भी उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया, ताकि प्रधानमंत्री के विकास के विज़न को धरातल पर उतारा जा सके और अधिक से अधिक लोगों तक इनका लाभ पहुंचाया जा सके।

भाजपा जन कल्याणकारी गतिविधियों की श्रृंखला के साथ सेवा पखवाड़ा मनाएगी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने महासचिव (संगठन) अशोक कौल के साथ आगामी श्सेवा पखवाड़ाश की तैयारियों की समीक्षा के लिए पार्टी मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जम्मू–कश्मीर भाजपा उपाध्यक्ष प्रिया सेठी, राजीव चरक और रशपॉल वर्मा, महासचिव संजीता डोगरा, बलदेव सिंह बिलवारिया और गोपाल महाजन, सचिव रीमा पाधा और अरुण शर्मा, डीडीसी सदस्य और एससी मोर्चा अध्यक्ष धरमिंदर कुमार, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ब्रह्मज्योत, भाजयुमो अध्यक्ष अरुण प्रभात, महिला मोर्चा अध्यक्ष नेहा महाजन और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए, सत शर्मा ने बताया कि श्सेवा पखवाड़ाश 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू होगा और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समाप्त होगा। पार्टी विभिन्न कल्याणकारी पहलों के माध्यम से इस पखवाड़े का आयोजन करेगी।

सत शर्मा ने कहा, ष्सेवा पखवाड़ा सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा का एक आंदोलन है।

स्वास्थ्य सेवा से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक, हर गतिविधि का उद्देश्य लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाना होगा। मैं पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता से आग्रह करता हूँ कि वे इसे एक मिशन के रूप में लें और सेवा एवं राष्ट्र निर्माण का संदेश जम्मू–कश्मीर के कोने–कोने तक पहुँचाएँ।ष्

अशोक कौल ने जमीनी स्तर पर भागीदारी के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, ष्हमारी ताकत हमारे कार्यकर्ताओं में निहित है। हर वार्ड, पंचायत और ज़िले को इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। रक्तदान, स्वच्छता अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से, हम एक स्वस्थ, स्वच्छ और मज़बूत राष्ट्र के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेंगे।

अशोक कौल ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि प्रमुख गतिविधियों में बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर, विशेष रूप से भाजयुमो कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में, अस्पतालों, पार्कों, जलाशयों और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान, ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में चिकित्सा शिविर शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, खादी प्रचार, खेल, नशा विरोधी अभियान और प्रधानमंत्री की परिवर्तनकारी पहलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जनसभाएँ, प्रदर्शनियाँ और आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे।

कांग्रेस ने वीडियो के साथ वोट चोरी पर प्रकाश डाला, खड़गे ने लोगों से आवाज उठाने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने बुधवार को कथित श्वोट चोरीश के खिलाफ अपने अभियान को तेज़ करते हुए एक नया वीडियो जारी किया जिसमें दिखाया गया है कि कैसे फ़र्ज़ी वोट डाले जा रहे हैं और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे लोगों से अपनी आवाज़ उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को ष्भाजपा के चंगुलष् से बचाने का आग्रह कर रहे हैं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी एक मिनट का यह वीडियो शेयर किया और कहा, ष्आपके वोट की चोरी, आपके अधिकार की चोरी, आपकी पहचान की चोरी है।ष्

बूथ पर वोट चोरी शीर्षक वाले विज्ञापन को टैग करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, ष्अपने वोट के अधिकार को छीनने न दें। इस बार सवाल पूछें, जवाब मांगें! वोट चोरी के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाएँ।

उन्होंने एक्स पर लोगों के नाम अपने संदेश में कहा, ष्संवैधानिक संस्थाओं को भाजपा के चंगुल से मुक्त कराएँ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, ष्आपके वोट की चोरी आपके अधिकारों की चोरी है, आपकी पहचान की चोरी है।

गज़ल

हिरानगर में भव्य तिरंगा रैली, उमड़ा देशभक्ति का जज्बा

सबका जम्मू कश्मीर

हिरानगर(सनी शर्मा)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत उपमंडल प्रशासन हिरानगर की ओर से आज एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिसमें देशभक्ति का अद्भुत खने को मिला।

यह रैली उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा (जम्मू–कश्मीर प्रशासनिक सेवा) के समग्र पर्यवेक्षण में आयोजित हुई और इसका नेतृत्व उपमंडल मजिस्ट्रेट हिरानगर फुलैल सिंह (जम्मू–कश्मीर प्रशासनिक सेवा) ने किया। रैली बस स्टैंड हिरानगर से शुरू होकर मुख्य बाजार से गुजरते हुए पुनः बस स्टैंड पर संपन्न हुई।

रैली में उपमंडल के सभी अधिकारी, विद्यार्थी, समाज के विभिन्न वर्गों के लोग और बड़ी संख्या में आम जनता शामिल हुई। पूरे मार्ग में तिरंगे झंडों के साथ गूंजते देशभक्ति गीतों और नारों ने माहौल को देशभक्ति रंग में रंग दिया।

इस अवसर पर तहसीलदार हिरानगर अनूप कुमार, बीडीओ सुरज सिंह, सीडीपीओ विजय लक्ष्मी, एसएचओ आशीष शर्मा सहित उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहे।15 अगस्त

एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
फिर तिरंगे के रंगों में शोभित होती निशानियां।
मानवता को चूल्हा–पानी रोजगार, आजादी मिलती।
शुशियों के सुन्दर गुलशन में फूलों की डाली खिलती,
देश सपूतों के लहू से मिलती हैं फिर मेहरबानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
पीढ़ी दर पीढ़ी उन्नति के ताज सजाए जाते हैं।
नव सभ्याचार में नव शिष्टाचार बनाए जाते हैं।
धरती को फिर कर देती हैं माला माल जवानियां
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
शक्ति, भक्ति, संयम, पूजा धर्म जब कहलाए।
पर हित भीतर प्यार मुहोब्बत एक सूरज बन जाए।
युगों–युगों तक अक्षरों भीतर जींवत रहे कहानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
पहले कष्ट तशद्दद सहते फिर देते खुशहाली।
फसलों से फिर कर देते हैं धरती में हिरयाली।
ऊंचे–ऊंचे पर्वत से ही निर्झद देते रवानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
भारत मां के सिर ऊपर मानवता का ताज सजा कर।
उन्नति विद्या के बल ऊपर एक सुन्दर धरत बना कर
नवयुवकों ने मेहनत भीतर संभाली जिंदगानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर

ओंकार नगर गुरदासपुर (पंजाब)
मो: 9815625409

हिरानगर में भव्य तिरंगा रैली, उमड़ा देशभक्ति का जज्बा

सनी शर्मा

हिरानगर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत उपमंडल प्रशासन हिरानगर की ओर से आज एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिसमें देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

यह रैली उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा (जम्मू–कश्मीर प्रशासनिक सेवा) के समग्र पर्यवेक्षण में आयोजित हुई और इसका नेतृत्व उपमंडल मजिस्ट्रेट हिरानगर फुलैल सिंह (जम्मू–कश्मीर प्रशासनिक सेवा) ने किया। रैली बस स्टैंड हिरानगर से शुरू होकर मुख्य बाजार से गुजरते हुए पुनः बस स्टैंड पर संपन्न हुई।

रैली में उपमंडल के सभी अधिकारी, विद्यार्थी, समाज के विभिन्न वर्गों के लोग और बड़ी संख्या में आम जनता शामिल हुई। पूरे मार्ग में तिरंगे झंडों के साथ गूंजते देशभक्ति गीतों और नारों ने माहौल को देशभक्ति रंग में रंग दिया। इस अवसर पर तहसीलदार हिरानगर अनूप कुमार, बीडीओ सुरज सिंह, सीडीपीओ विजय लक्ष्मी, एसएचओ आशीष शर्मा सहित उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहे।

लर्निंग टेम्पल विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन अधिकारियों से की शिष्टाचार भेंट

सनी शर्मा

कठुआ। 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर लर्निंग टेम्पल के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ जिला प्रशासन कठुआ के विभिन्न अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों ने इस अवसर पर उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप–पंजीयक, सहायक मृदा संरक्षण अधिक।ारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा योजना अधिक।ारी, जिला खेल अधिकारी और जिला सूचना अधिक।ारी से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए अधिकारियों के साथ प्रेरणादायक एवं रोचक संवाद किया। अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों को देशभक्ति, शिक्षा और अनुशासन के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

इस मौके पर लर्निंग टेम्पल स्कूल के चेयरमैन नरेश कुमार भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। नरेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व समझाना और उनमें देशप्रेम की भावना जागृत करना है। संस्थान ने इसे विद्यार्थियों के लिए एक यादगार और प्रेरणादायी अनुभव बताया।

गज़ल

कर्मठता की ज्योति जगाते श्री कृष्ण भगवान।
गीता का उपदेश सुनाते श्री कृष्ण भगवान ।
मानवता में शक्ति भक्ति संयम उद्यम लेकर,
युग युगांतर आते जाते श्री कृष्ण भगवान ।
शुभ इच्छाओं भीतर रहमत वाली एक आहुति,
घर घर की उन्नति में पाते श्री कृष्ण भगवान ।
भारत देश प्यारा लगता सबसे ज्यादा न्यारा,
बांसुरी के हर सुर में गाते श्री कृष्ण भगवान ।
विभिन्न फूलों का गुलदस्ता भव्य लगता जचता,।
एकम का शुद पाठ पढ़ाते श्री कृष्ण भगवान,
उस के एक आकार में सारी काऐनात सृष्टि,
ऊँ श्री के अर्थ सिखाते श्री कृष्ण भगवान ।
अपने एक सुदर्शन चक्कर से करते इन्साफ,
स्वयं जीतते स्वयं हराते श्री कृष्ण भगवान ।
शस्त्र विद्या शास्त्र विद्या ज्ञान तथा विज्ञान,
भारत के सिर मुकुट सजाते श्री कृष्ण भगवान ।
बालम जाति धर्म से ऊपर यार सुदामा पा कर,
तब ही स्वयं भगवान कहलाते श्री कृष्ण भगवान ।

बलविंदर बालम गुरदासपुर
टोंकार नगर, गुरदासपुर पंजाब
मों – 9815625409

किश्तवाड़ बादल फटना : उपराज्यपाल ने माननीय गृह मंत्री से बात की और उन्हें बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : किश्तवाड़ ज़िले के चशोती इलाके में गुरुवार को बादल फटने की एक दुखद घटना घटी।

उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से बात की और उन्हें चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी। माननीय केंद्रीय गृह मंत्री ने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। उपराज्यपाल लगातार स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। उन्होंने नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बलों के अधिकारियों को बचाव एवं राहत कार्यों को और मज़बूत करने और प्रभावित व्यक्तियों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

बचाव एवं राहत कार्य ज़ोरों पर हैं। घटनास्थल पर लोग और मशीनें तैनात कर दी गई हैं। अन्य टीमें भी भेजी गई हैं और वायु सेना को लोगों को निकालने के लिए सतर्क कर दिया गया है।

उपराज्यपाल ने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

उपराज्यपाल ने कहा, ष्मैं सभी प्रभावित परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सरकार इस संकट की घड़ी में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।ष्

उपराज्यपाल ने ग पर पोस्ट किया हैरू

ष्किश्तवाड़ में बादल फटने से व्यथित हूँ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। सिविल, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अधिकारियों को बचाव और राहत अभियान को और तेज़ करने और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।ष्

चशोती में बचाव और राहत अभियान पूरे ज़ोरों पर है। लोग और मशीनें घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

अन्य टीमें भी भेजी गई हैं। विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव और राहत अभियानों के बारे में माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी को जानकारी दी। उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

मैं सभी प्रभावित परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। बचाव कार्य के लिए वायुसेना को भी अलर्ट कर दिया गया है। मैं लगातार स्थिति पर नज़र रख रहा हूँ।"

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

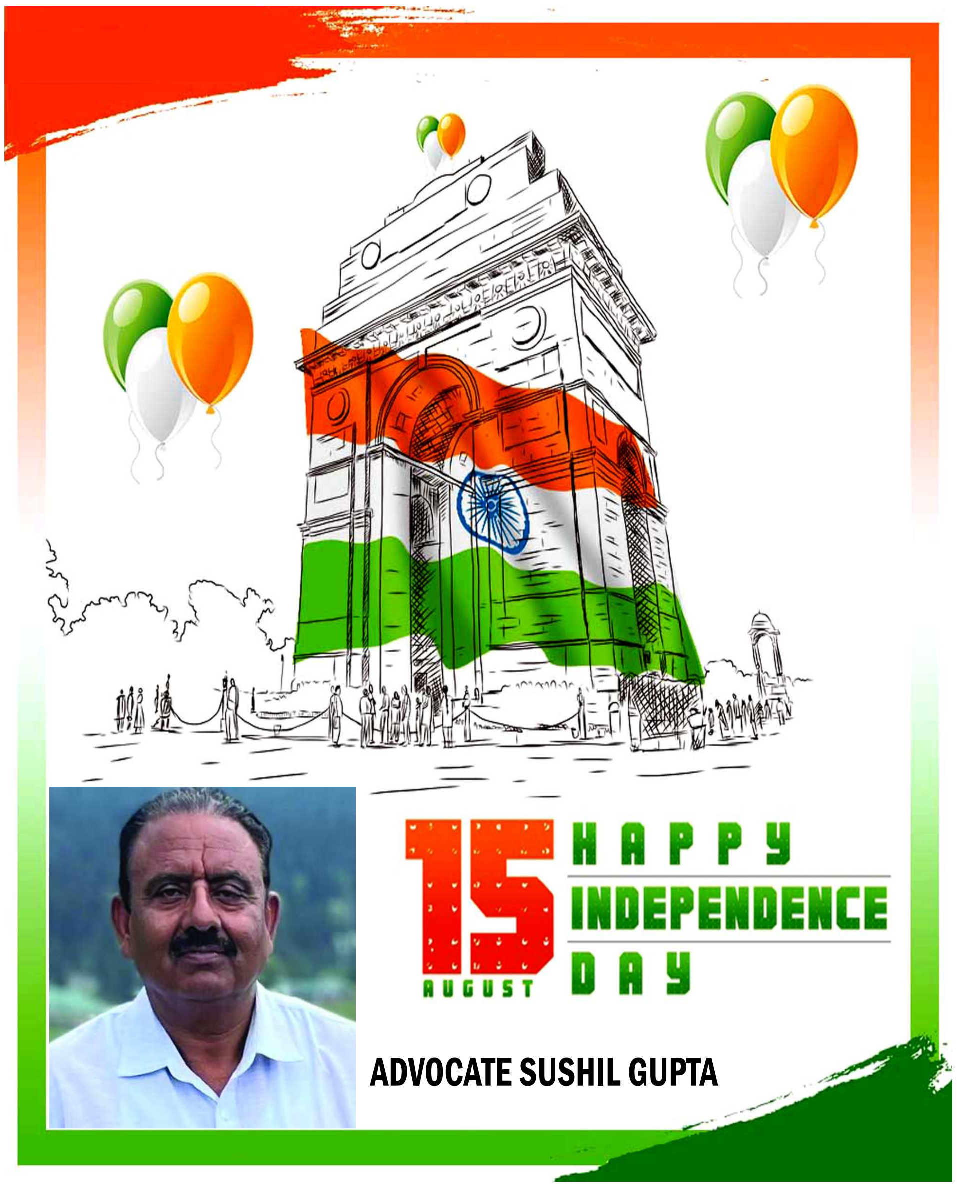

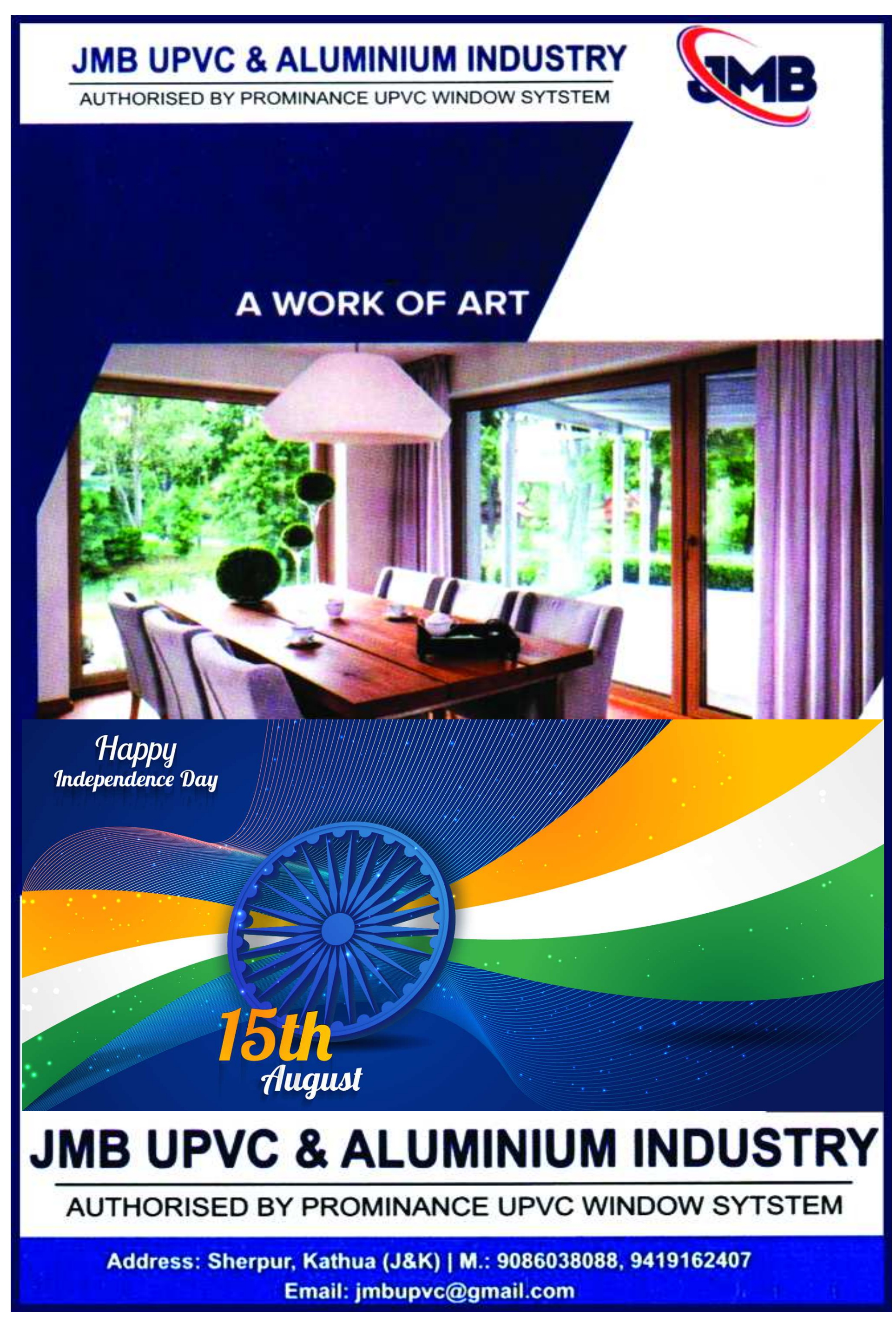

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक: राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादक: राज कुमार